धनबाद, मंगलवार
11 अगस्त 2026
वर्ष : 03 अंक : 312
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

टूथ पथ

विधानसभा की चौखट तक पहुंचा छात्र आक्रोश

जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती पर-ीक्षाओं में कथित धांधली के विरोध में छात्रों का विधानसभा घेराव

चार स्तर की बैरिकेडिंग तोड़ी, पुलिस से टकराव; लाठीचार्ज, आंसू गैस और वाटर कैनन का इस्तेमाल

भारी बारिश के बावजूद डटे रहे प्रदर्शनकारी, विवादित परीक्षाओं को रद्द करने की मांग

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली और परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता के अभाव के विरोध में छात्रों ने सोमवार को विधानसभा घेराव किया। राज्यभर से बड़ी संख्या में छात्र रांची पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने विधानसभा के गेट नंबर-1 तक पहुंचकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और विवादित परीक्षाओं को रद्द करने की मांग की।भारी बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर डटे रहे। छात्रों को विधानसभा तक पहुंचने से रोकने के लिए पुलिस ने कई स्तरों पर बैरिकेडिंग की थी। प्रदर्शनकारियों की भीड़ बढ़ने के साथ कई स्थानों पर पुलिस और छात्रों के बीच धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद छात्रों ने चार स्तर की बैरिकेडिंग पार कर ली और बड़ी संख्या में विधानसभा गेट नंबर-1 के सामने पहुंच गए।

पुलिस ने लाठीचार्ज और वाटर कैनन का किया इस्तेमाल

प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले और वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया गया। इसके बावजूद छात्रों का हुजूम विधानसभा के नजदीक पहुंच गया। विधानसभा गेट के बाहर छात्रों ने जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

विधानसभा परिसर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। प्रशासनिक अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर छात्रों से बातचीत कर स्थिति को शांत करने का प्रयास किया।

पुलिस वाहन में तोड़फोड़ का दावा

प्रदर्शन के दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पुलिस की ओर से दावा किया गया कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस-ाकर्मियों पर पत्थर, चप्पल और जूते फेंके। पुलिस ने एक वाहन में तोड़फोड़ और उसका शीशा टूटने का भी दावा किया।वहीं, प्रदर्शनकारी छात्रों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उनका आरोप था कि शांतिपूर्ण आंदोलन को बलपूर्वक रोकने का प्रयास किया गया।

अधिकारियों के सामने रखीं मांगें

विधानसभा गेट नंबर-1 के बाहर बड़ी संख्या में छात्रों के जमा होने के बाद एडीएम और एसडीओ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने छात्रों से बातचीत कर उन्हें समझाने और स्थिति सामान्य करने का प्रयास किया। छात्रों ने अधिकारियों के सामने अपनी मांगें रखीं।

छात्रों की प्रमुख मांगों में भर्ती पर-ीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना, कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराना और विवादित परीक्षाओं को लेकर स्पष्ट निर्णय लेना शामिल है।रविवार की वार्ता रही थी विफल

रविवार को सरकार और छात्रों के बीच हुई वार्ता विफल रहने के बाद आंदोलनरत छात्रों ने हर हाल में विधानसभा घेराव सफल बनाने की घोषणा की थी। दूसरी ओर, सरकार ने छात्रों से घेराव स्थगित करने और वार्ता के माध्यम से समस्या का समाधान निकालने की अपील की थी। इसके बावजूद छात्रों ने सोमवार को विधानसभा घेराव किया।

सरकार का दावा- 98 फीसदी मांगों पर सहमति

विधानसभा के मानसून सत्र में विधायक अरूप चटर्जी ने आंदोलनरत छात्रों के साथ सरकार की हुई बातचीत का पूरा ब्योरा सदन में रखने की मांग की। इसके जवाब में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि आंदोलन कर रहे छात्रों की 98 फीसदी मांगों पर सरकार सहमत है।

सरकार के अनुसार, छात्र प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के बाद उनकी मांगों को तीन प्रमुख हिस्सों में बांटा गया है। इनमें मामलों की जांच, विवादित परीक्षाओं पर कार्रवाई और भर्ती प्रक्रिया में सुधार शामिल हैं।

सरकार का कहना है कि परीक्षा में गड़बड़ी के मामलों की जांच के लिए एसआईटी पहले से काम कर रही है। जरूरत पड़ने पर अन्य एजेंसियों से जांच कराने पर भी विचार किया जा सकता है। वहीं, विवादित आउटसोर्स एजेंसी से जुड़ी परीक्षाओं को रद्द करने पर भी सरकार की सहमति बताई गई है।

आश्वासन नहीं, कार्रवाई चाहते हैं छात्र

सरकार के 98 फीसदी मांगें मानने के दावे के बावजूद छात्र आंदोलन समाप्त करने को तैयार नहीं हैं। छात्रों का कहना है कि उन्हें केवल आश्वासन नहीं, बल्कि मांगों पर स्पष्ट और समयबद्ध कार्रवाई चाहिए। इसी को लेकर छात्रों ने विधानसभा घेराव के जरिए सरकार पर दबाव बनाने का प्रयास किया।

ब्रीफ न्यूज

प्रधानमंत्री मोदी से मिले एनसीपी के 8 सांसद, महाराष्ट्र के कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली,(एजेंसी) :शरद पवार की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के सभी 8 लोकसभा सांसदों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के नेतृत्व में सांसदों का प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री मोदी से मिला।

बैठक में महाराष्ट्र से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा हुई। सांसदों ने अपने-अपने लोकसभा क्षेत्रों की समस्याएं प्रधानमंत्री के सामने रखीं।बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए एनसीपी (एसपी) सांसद अमोल आर. खोले ने बताया कि सभी सांसदों के अपने-अपने क्षेत्र से जुड़े अलग-अलग मुद्दे थे। इनमें सरकार की नीतियों, नदियों को जोड़ने की योजना, रेलवे और किसानों की कर्जमाफी जैसे मुद्दे शामिल थे।उन्होंने बताया कि पुणे-नासिक सेमी हाई-स्पीड रेलवे को लेकर भी चर्चा हुई। इस परियोजना के मुद्दे पर हाल ही में बड़ा विरोध प्रदर्शन हुआ था।

अमोल खोले ने कहा कि संसद में लगातार हंगामे के कारण सांसद इन मुद्दों को सदन में नहीं उठा पा रहे थे। इसलिए उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रखीं।

तीखे मोड़ पर अनियंत्रित हुई कांवरियों से भरी बस, 06 घायल

कोडरमा, (एजेंसी) :कोडरमा घाटी में सोमवार को बड़ा हादसा टल गया। बताया जाता है कि गंगासागर से कांवरियों को लेकर राजगीर जा रही बस जमसोती नाला के समीप घाटी के तीखे मोड़ पर अचानक अनियंत्रित हो गई। बस सड़क से नीचे उतरकर पहाड़ के सहारे अटक गई।हादसे में 06 कांवरियों को चोटें आई हैं। बताया जाता है कि घाटी के मोड़ पर बस की रफ्तार कम होने के कारण दुर्घटना भयावह होने से बच गई। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। सूचना मिलते ही घाटी में तैनात पुलिस पेट्रोलिंग टीम घटनास्थल पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।पुलिस ने घायल कांवरियों को तत्काल सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने सभी को खतरे से बाहर बताया है। हादसे के कारण रांची-पटना मुख्य मार्ग पर कुछ देर आवागमन भी प्रभावित रहा। पुलिस की तत्परता से स्थिति को नियंत्रित करते हुए यातायात सामान्य कराया गया। घायलों की पहचान प्रमिला देवी (50), शंकर महतो (50), गायत्री देवी (55), देवनाथ ठाकुर (65), अखिलेश कुमार (13) और सुनैना देवी (62) के रूप में हुई है।

झारखंड विधानसभा : सदन से 8,399.31 करोड़ का अनुपूरक बजट पारित

वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले अनुपूरक बजट की अनुदान मांगों को ध्वनिमत से मिली मंजूरी

झारखंड विनियोग संख्या-3 विधेयक, 2026 भी सदन से पारित

रांची। झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन सदन में वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले अनुपूरक बजट को मंजूरी दे दी गई। सदन ने 8,399 करोड़ 31 लाख रुपये की अनुपूरक अनुदान मांगों को ध्वनिमत से पारित किया। इसके साथ ही झारखंड विनियोग संख्या-3 विधेयक, 2026 भी सदन से पारित हो गया।

विनियोग विधेयक के माध्यम से 31 मार्च 2027 तक होने वाले सरकारी खर्च के लिए राशि का प्रावधान किया गया है। सदन में विधेयक पर चर्चा के बाद इसके सभी प्रावधानों को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। इसके बाद विधेयक को अंतिम रूप से पारित कर दिया गया।स्कूली शिक्षा के लिए 946 करोड़ से अधिक

अनुपूरक बजट में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के लिए 946 करोड़ 3 लाख 95 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा एक अन्य मद में 25 करोड़ 5 लाख 67 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

आपदा प्रबंधन के लिए 490 करोड़

गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े मदों में भी राशि का प्रावधान किया गया है। आपदा प्रबंधन के लिए 490 करोड़ 6 लाख 89 हजार रुपये, जबकि गृह प्रभाग के लिए 144 करोड़ 16 लाख 93 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

पेयजल, पंचायत और स्वास्थ्य विभाग को भी राशि

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के लिए 271 करोड़ 61 लाख 4 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है। पंचायती राज विभाग को 244 करोड़ 80 लाख रुपये दिए गए हैं।

वहीं, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 218 करोड़ 16 लाख 90 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है।अनुपूरक बजट के पारित होने के साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान विभिन्न विभागों की अतिरिक्त वित्तीय जरूरतों के लिए सरकार को आवश्यक व्यय की अनुमति मिल गई है।

छातााबाद भू-धंसान मामले में बीसीसीएल सीएमडी समेत तीन अधिकारियों पर एफआईआर

शिकायतकर्ता ने 2.05 करोड़ रुपये की संपत्ति के नुकसान का लगाया आरोप

अनियंत्रित ब्लास्टिंग से भू-धंसान होने का दावा, 10-12 लोगों के घायल होने का भी उल्लेख

कतरास। छातााबाद में शुक्रवार को हुई भू-धंसान की घटना को लेकर सोमवार को बीसीसीएल के सीएमडी समेत तीन अधिकारियों के खिलाफ कतरास थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। छातााबाद निवासी अनवर अली, पिता अली मुर्तजा की शिकायत पर पुलिस ने बीसीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) मनोज अग्रवाल, गोविंदपुर एरिया-3 के महाप्रबंधक सत्यकाम आनंद और न्यू आकाश कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी अरविंद कुमार झा के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

शिकायतकर्ता ने हादसे में करीब 2 करोड़ 5 लाख रुपये की संपत्ति के नुकसान का दावा किया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बीसीसीएल एरिया-3 की न्यू आकाशकिनारी कोलियरी की

सलानपुर खदान के समीप जोरदार और अनियंत्रित ब्लास्टिंग के कारण जमीन में कंपन हुआ, जिससे कई मकान भू-धंसान की चपेट में आ गए।

ब्लास्टिंग की आवाज के बाद धंसने लगे मकान

अनवर अली ने पुलिस को दी शि-ाकायत में बताया है कि उनका घर सलानपुर खदान के समीप है और वह अपने परिवार के साथ वहां रहते हैं। शिकायत के अनुसार, 7 अगस्त को करीब 3:30 बजे अचानक जोरदार ब्लास्टिंग की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर बाहर निकलने पर उन्होंने देखा कि उनका मकान और आसपास के करीब 12 से 15 घर कंपन के कारण धीरे-धीरे जमीन में धंसने लगे।

शिकायत में कहा गया है कि कुछ ही देर में उनका पूरा घर जमींदोज हो गया। इस दौरान करीब 10 से 12 लोग मलबे में फंस गए, जिन्हें आसपास के लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, हादसे में सभी लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

पहले भी भू-धंसान की घटना का उल्लेख

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि सीएमडी, एरिया-3 के महाप्रबंधक और न्यू आकाशकिनारी कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी की लापरवाही के कारण अनियंत्रित ब्लास्टिंग की गई, जिसके कंपन से यह हादसा हुआ।

शिकायत में 7 जुलाई को हुई पूर्व की भू-धंसान की घटना का भी उल्लेख किया गया है। अनवर अली के अनुसार, उस घटना के बाद उन्होंने सीएमडी, जीएम सिक्योरिटी, बीसीसीएल एरिया-3 के अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों से क्षेत्र में धीमी और नियंत्रित ब्लास्टिंग कराने का अनुरोध किया था, ताकि आगे नुकसान न हो।

2.05 करोड़ की संपत्ति क्षति का दावा

शिकायतकर्ता ने अपने मकान और आसपास के अन्य मकानों को हुए नुकसान का कुल अनुमान करीब 2.05 करोड़ रुपये बताया है। उनके अनुसार, उनके अपने मकान और सामान का नुकसान करीब 30 से 35 लाख रुपये है।

शिकायत में अन्य प्रभावित लोगों की संपत्ति के नुकसान का भी ब्योरा दिया गया है। इसमें अब्दुल कलाम आजाद के मकान व सामान का अनुमानित नुकसान 28 लाख, अख्तर हसन का 10 लाख, मो. इस्तियाक खान का 13 लाख, नमामुद्दीन का 33 लाख, मो. सज्जाद अंसारी का 18 लाख, मो. हसनैन खान का 12 लाख, सहाबुल खान का 34 लाख, मो. शौकत का 13 लाख, असगर राही का 7 लाख और रुस्तम खान का 7 लाख रुपये बताया गया है।

फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान से पहले झारखंड में फिल्म फेस्टिवल

मास्टरक्लास, आदिवासी फिल्मों की विशेष स्क्रीनिंग और फिल्मों पर होगी चर्चा

रांची(एजेंसी) : झारखंड फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में दो दिवसीय फिल्म फेस्टिवल, मास्टरक्लास, आदिवासी फिल्मों की विशेष स्क-ीनिंग और परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ने रांची में दो दिनों तक सिनेमा का ऐसा माहौल तैयार किया, जहां फिल्में केवल पर्दे पर नहीं चलीं, बल्कि उनके जरिए संस्कृति, पहचान, परंपरा, भाषा और समाज पर गंभीर संवाद भी हुआ।

इस आयोजन ने फिल्म विद्यार्थियों, फिल्म निमार्ताओं, कलाकारों, सिनेप्रेमियों और सिनेमा से जुड़े लोगों को एक साझा मंच प्रदान किया। लंबे समय से झारखंड में सिनेमा के लिए एक मजबूत और रचनात्मक मंच की आवश्यकता महसूस की जाती रही है। ऐसे में यह आयोजन सिनेप्रेमियों के लिए एक ऐसा अवसर बनकर सामने आया, जहां उन्होंने फिल्मों को

देखने के साथ-साथ उनके निर्माण, कथ्य और सामाजिक सरोकारों पर विचार-विमर्श किया।

दो दिनों तक चले इस फिल्म फेस्टिवल में आदिवासी जीवन, संस्कृति और समाज की विविधता को केंद्र में रखने वाली फिल्मों की विशेष स्क्रीनिंग की गई। स्क्रीनिंग के बाद फिल्मों को लेकर चर्चा और संवाद ने कार्यक्रम को और सार्थक बनाया। दर्शकों और फिल्मकारों के बीच हुए संवाद ने यह स्पष्ट किया कि सिनेमा मनोरंजन से आगे बढ़कर समाज की स्मृतियों, संघर्षों, सवालों और सांस्कृतिक पहचान को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है।

फिल्म फेस्टिवल का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष रहा फिल्मों के माध्यम से आदिवासी समाज को समझने की कोशिश।

मास्टरक्लास के दौरान विद्यार्थियों और सिनेप्रेमियों को फिल्म निर्माण की बारीकियों, कहानी कहने की कला और सिनेमा के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों से परिचित कराया गया। प्रतिभागियों ने फिल्मकारों और विशेषज्ञों से संवाद करते हुए सिनेमा से जुड़े विभिन्न पहलुओं को समझा।

दो दिवसीय आयोजन की खास बात यह रही कि इसने रांची के सिनेप्रेमियों को एक साझा मंच दिया। फिल्मों के प्रति दर्शकों का उत्साह और प्रतिक्रियाएं पूरे आयोजन के दौरान देखने को मिलीं। स्क्रीनिंग के बाद हुई चचाओं में दर्शकों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखा।

फिल्म देखने आए दर्शकों, विद्यार्थियों और सिनेमा से जुड़े लोगों ने इस तरह के आयोजनों को झारखंड में सिनेमा की नई संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम ने यह एहसास कराया कि झारखंड में न केवल फिल्मों और फिल्म निर्माण को लेकर उत्साह है, बल्कि यहां एक ऐसे दर्शक वर्ग की भी मौजूदगी है जो सार्थक और विषयपरक सिनेमा को देखने, समझने और उस पर चर्चा करने के लिए तैयार है।

डाक कांवड़ यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, 12वें दिन 63 लाख 60 हजार शिवभक्त गंगाजल लेकर रवाना

अब तक 4 करोड़ 43 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे हरिद्वार

हरिद्वार,(एजेंसी) :कांवड़ मेला-2026 के 12वें दिन सोमवार को हरिद्वार में आस्था का सैलाब देखने को मिला। मेला कंट्रोल रूम के पुलिस कंट्रोल रूम से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज कुल 63 लाख 60 हजार शिवभक्त ह-रद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए।

पुलिस कंट्रोल रूम के आंकड़ों के अनुसार कांवड़ यात्रा शुरू होने से अब तक कुल 4 करोड़ 43 लाख 78 हजार शिवभक्त पवित्र गंगाजल लेकर विभिन्न राज्यों को प्रस्थान कर चुके हैं। भारी भीड़ के बावजूद यात्रा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रूप से संचालित हो रही है।

जिला प्रशासन और पुलिस

प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु रूप से चलाई जा रही हैं। कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी लगातार अपने दायित्व निभा रहे हैं। प्रमुख स्नान घाटों, कांवड़ मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

जिला प्रशासन ने सभी शिवभक्तों से अपील की है कि यात्रा के दौरान निर्धारित मार्गों का पालन करें, प्रशासन और पुलिस द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का अनुपालन करें और स्वच्छ व स-ुरक्षित कांवड़ यात्रा के संचालन में सहयोग प्रदान करें।

हर-हर महादेव के जयकारों के साथ डाक कांवड़ियों का जत्था लगातार हरिद्वार पहुंच रहा है और गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में छात्रों पर बल प्रयोग की राहुल गांधी ने निंदा की, बोले- सरकार छात्रों की बात सुने

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर छात्रों का आंदोलन लगातार जारी है। सोमवार को प्रदर्शन के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच टकराव की स्थिति बन गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया और लाठीचार्ज भी किया। अब इस कार्रवाई को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने झारखंड सरकार पर निशाना साधा है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट के जरिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग की निंदा की। उन्होंने कहा कि छात्रों को शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने का अधिकार है और किसी भी समस्या का समाधान बातचीत के जरिए किया जाना चाहिए। उन्होंने झारखंड सरकार से छात्रों की बात सुनने और उनकी समस्याओं का जल्द समाधान करने की अपील की।

राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी इस मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि झारखंड के छात्रों के लिए उनका संदेश साफ है कि शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा स्वीकार्य नहीं है। उनका कहना था कि जब तक प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से हो रहा है, तब तक उसके खिलाफ हिंसात्मक कार्रवाई का वह विरोध करते हैं।

अस्वस्थ प्रवीण प्रभाकर को देखने पहुंचे सुदेश महतो

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची :पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो विगत कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे झारखंड आंदोलनकारी एवं आजसू उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर को देखने उनके मोराबादी स्थित आवास पहुंचे। उनका कुशलक्षेम जाना और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उनके साथ मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत और अंतरराष्ट्रीय लॉन बॉल खिलाड़ी दिनेश महतो भी थे। श्री प्रभाकर की रिम्स में सर्जरी हुई है और हाल में ही अस्पताल से छुट्टी मिली है। चिकित्सकों की सलाह पर अपने आवास पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।इस मौके पर केंद्रीय सचिव हरीश कुमार, जिला प्रवक्ता सूरज मिश्रा, दुबराज महतो, प्रेम चंद, त्रिलोचन महतो, राजेंद्र महतो, शिवा विश्वकर्मा, राजेश कुमार, अनंत महतो आदि भी उपस्थित थे।

युवाओं पर लाठी चलाकर सरकार अपने सवालों से नहीं बच सकती: डॉ. देवशरण भगत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : जेपीएससी जेएसएससी की परीक्षा एवं नियुक्ति व्यवस्था में अनियमितताओं और युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों को लेकर विधानसभा घेराव करने पहुंचे छात्रों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले और वाटर कैनन का इस्तेमाल करना सरकार की संवेदनहीनता को दशार्ता है। छात्रों को रोकने के लिए कंटीले तारों से बैरिकेडिंग तक की गई, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में युवाओं का विधानसभा तक पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि सरकार के प्रति युवाओं का आक्रोश अब गहरा हो चुका है।आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने इस घटना की तीव्र निंदा करते हुए कहा कि जिन युवाओं के हाथ में किताब, कलम और नियुक्ति पत्र होना चाहिए, उनके ऊपर लाठियां बरसाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार को युवाओं के सवालों का जवाब देना चाहिए, उन पर पुलिस की ताकत नहीं आजमानी चाहिए।उन्होंने कहा कि लाठी, आंसू गैस और वाटर कैनन से युवाओं की आवाज को दबाया जा सकता है, लेकिन उनके भीतर के आक्रोश को खत्म नहीं किया जा सकता। जेपीएससी जेएसएससी की परीक्षा और नियुक्ति व्यवस्था में पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।डॉ. भगत ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार समय रहते छात्रों से संवाद करे और उनकी मांगों पर ठोस निर्णय ले। युवाओं के धैर्य की परीक्षा लेना बंद किया जाए। आज का यह आक्रोश यदि अनसुना किया गया तो आने वाले दिनों में यह पूरे झारखंड के युवाओं के व्यापक जनआंदोलन का रूप ले सकता है।उन्होंने कहा, सरकार को यह समझ लेना चाहिए कि पुलिस की लाठी से युवा शक्ति को रोका नहीं जा सकता। झारखंड का युवा अपने अधिकार, सम्मान और भविष्य की लड़ाई लड़ रहा है और आजसू पार्टी इस संघर्ष में युवाओं के साथ मजबूती से खड़ी है।

सम्मेद शिखरजी की पवित्रता और सुरक्षा को ले विश्व जैन संगठन ने उठायी आवाज,व्यवस्था नहीं सुधरी तो देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

गिरिडीह (एजेंसी) :जैन धर्म के सर्वोच्च तीर्थस्थल श्री सम्मेद शिखरजी की पवित्रता, धार्मिक गरिमा और पर्यावरण संरक्षण को लेकर विश्व जैन संगठन ने केंद्र एवं झारखंड सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।संगठन का आरोप है कि तीर्थस्थल की पवित्रता और संरक्षण को लेकर पांच जनवरी 2023 को केंद्रीय वन मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के बावजूद कई स्तरों पर नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है।विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने प्रधानमंत्री कार्यालय, झारखंड के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री कार्यालय, वन विभाग, गिरिडीह उपायुक्त और पुलिस प्रशासन को टैग करते हुए तीर्थराज की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई मांगें रखी

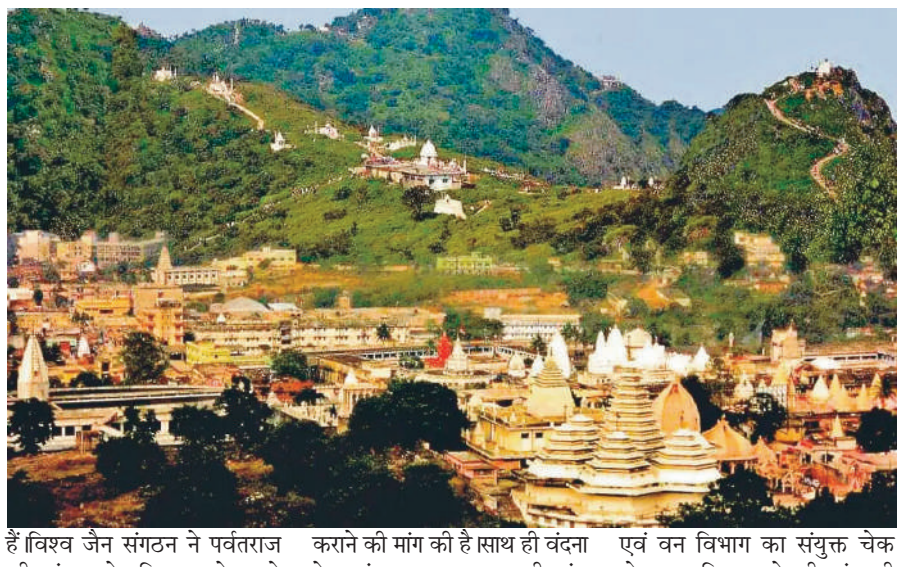

हैं।विश्व जैन संगठन ने पर्वतराज की वंदना के लिए आने वाले यात्रियों का अनिवार्य पंजीकरण कराने की मांग की है।साथ ही वंदना के आरंभ स्थल पर सामान की जांच के लिए स्कैनर लगाने तथा पुलिस एवं वन विभाग का संयुक्त चेक पोस्ट स्थापित करने की मांग की गयी है।संगठन ने पर्वतराज पर बाइक के संचालन पर रोक, अवैध दुकानों एवं झुग्गियों को हटाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक की बोतल और अन्य प्रतिबंधित सामग्री के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग की है।विश्व जैन संगठन ने सम्मेद शिखरजी में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की है। सीसीटीवी कैमरे से वहां की हर गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की है। इसके अलावा पर्वतराज पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के साथ-साथ सभी टोंकों पर भी सुरक्षा कर्मी नियुक्त करने की मांग की गयी है।संगठन का आरोप है कि पर्वतराज की धार्मिक एवं पवित्रता वाली मयार्दा को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण जरूरी है।बताया कि पारसनाथ के पवित्र टोंकों और मंदिरों तक पहुंच कर फिल्मी गानों पर रील बनाये जा रहे हैं।इससे जैन धर्म की पवित्रता और उनकी आस्था पर ठेस पहुंचती है।फिल्मी गानों पर अश्लील वीडियो रील बनाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गयी है। विश्व जैन संगठन ने सरकार से इन मांगों पर अतिशीघ्र कार्रवाई के आदेश जारी करने की अपील की है।संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर समय रहते कार्रवाई नहीं की गयी तो वह पूर्व की तरह देशव्यापी आंदोलन करने को मजबूर होगा। संगठन ने कहा है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर आंदोलन की जिम्मेदारी केंद्र एवं राज्य सरकार की होगी।

आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, लोक कथाओं और जीवन को करीब से जानने का अवसर है आदिवासी महोत्सव

रांची (एजेंसी) :मोरहाबादी मैदान में चल रहे झारखंड आदिवासी महोत्सव 2026 का समापन सोमवार को हो गया। जहां बोलना हीं संगीत और चलना ही नृत्य का स्लोगन चारों ओर महोत्सव की शोभा बढ़ा रही थी। दो दिवसीय इस आयोजन में उत्सव के कोन कोने में आदिवासियत की छलक देखने को मिली। कहीं मांदर तो कही बांस की बुनाई तो कहीं ट्राइबल ज्वेलरी तो कही आदिवासी व्यंजन लोगों को आकर्षण बना हुआ था।सोमवार को राजकीय अखरा यानि मुख्य मंडप के जगह आदिवासी अखरा में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुये।जिसकी शुरूआत पद्मश्री मधुसुदन मंसूरी के झूमर गीत से हुई। इस बीच झूमर के साथ साथ बारिश की बौछार भी बढ़ती हीं जा रही थीं। बारिश के बावजूद लोगों का उत्साह कम ना हुआ। पूरे परिसर का कोना कोना लोग आदिवासी संस्कृति परंपरा से सराबोर था।लाल पाड़ सादा साड़ी और सादे कुरता पाजामा लाल बॉर्डर में पुरुषों का पहनवा देखते हीं बन रहा था।उधर एक के बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की गूंज निरंतर बज रही थी। गुलाब सिंह मुंड के पाईका नृत्य तो मनूपरन नायकी की मांदर , घासी राम महतो की शिकारी नृत्य तो श्री कृष्ण की उरांव की गीत नृत्य लोगों का दिल जीता। वहीं नागपुरी जनानी झुमर का भी लोगों ने खूब आनंद लिया।मुंडरी लोक गीत,संताली नृत्य उरांव लोग गीत और नागपुरी गीत नृत्य का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा।इसके साथ हीं कला सं-

स्कृतिक विकास समिति सिल्ली ने झुमर करम नृत्य की पेशकश की।लोग उत्सव में नाचते गाते और आदिवासी दिवस का आनंद मनाते दिखे। वहीं परिसर में लगे सेल्फी जोन में ट्राइबल परिधानों में पूरा का पूरा परिवार सेल्फी लेता दिखा।झारखंड की विलुप्त होते ट्राइबल आभूषण एवं वाद्ययंत्र थीम पर कलाकार पेटिंग के माध्यम से ट्राईबल परिधानों में अपनी पेटिंग के माध्यम से संदेश देते नजर आये। जादुपटिया में निलम निरद तो सोहराई में सुष्मिता तिर्की ने चार चांद लगाया। वहीं मशहूर पेंटर सीआर हेम्ब्रम ने आदिवासी महिला की उसके आभूषणों के संग खूबसूरत पेटिंग बनायी।वहीं खूंटी के अभिजीत मुंडा और लालपुर के बिन्नी मुंडा ने अपने ट्राईबल परिधानों के गेटअप में पेटिंग की।कहा ये हम आदिवासियों की परंपरा है जिसे हम बरकरार रखेंगे।आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और विविध भाषाओं की खूबसूरत झलक दिखाने वाली बेहतरीन फिल्मों का आनंद भी लिया। सिनेमा के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, लोककथाओं और जीवन को करीब से जानने का अवसर मिला।पद्मश्री मुकुंद नायक के गीतों पर झारखंड के फिल्म का परिदृश्य भी पेश हुआ. लोगों ने जिसे खूब सराहा।इसके साथ हीं आदिवासी काव्य गोष्ठी का भी मंचन किया गया।जिसमें आदिवासी लेखक , कवियों ने अपनी प्रस्तुति दी।मेले परिसर में खाद्य व्यंजनों के भी एक से बढ़ कर एक स्टॉल लगाये गये जिसमें व्यंजनों में झारखंड स्वाद चखने को मिला।दुस्का बरा छिलका रोटी से लेकर मडुआ के व्यंजन खास थे।रागी पापड़ी चाट की खूब डिमांड हुई. वहीं लोहरदगा की सरई पूंप स्टॉल को लोगों ने सराहा।जहां झारखंड व्यंजनों के साथ साथ प्रियंका मिंज व अन्य युवतियों ने क्रोशिया हैंडी क्राफ्ट भी पेश किया था।

विभिन्न मांगों को लेकर वित्त-रहित शिक्षक आज विधानसभा के समक्ष देंगे महाधरना

रांची (एजेंसी) :राज्य में संचालित वित्तरहित शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों व कर्मचारियों द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर 11 अगस्त को झारखंड विधानसभा के समक्ष महाधरना दिया जायेगा। महाधरना में इंटर कॉलेज, हाइस्कूल, संस्कृत स्कूल व मदरसा के शिक्षाकर्मी शामिल होंगे।इस संबंध में वित्तरहित शिक्षा संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने कहा है कि 75 प्रतिशत अनुदान राशि की बढ़ोतरी के संलेख को कैबिनेट की बैठक में रखने, संविदा अवधि समाप्त होने के बाद भी वित्त पदाधिकारी, एकेडमिक ऑफिसर और विशेष कार्य पदाधिकारी को जैक से हटाने, उपाध्यक्ष सहित 13 अन्य सदस्यों की नियुक्ति तथा कार्मिक विभाग के पत्र पर अविलंब कार्यवाई की मांग को लेकर महाधरना दिया जायेगा।इसमें राज्य के सभी जिलों से आये शिक्षक शामिल होंगे. महाधरना के बाद मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया जायेगा।सोमवार को महाधरना की तैयारी की समीक्षा मोर्चा के अध्यक्ष मंडल की बैठक में किया गया।बैठक की अध्यक्षता चंदेश्वर पाठक ने की।इस अवसर पर रघुनाथ सिंह, संजय कुमार, फजलुल कदीर अहमद, हरिहर प्रसाद कुशवाहा, अरविंद सिंह, चंदेश्वर पाठक, गणेश महतो, मनोज तिर्की ,मनीष कुमार, देवनाथ सिंह, विनय उरांव, अली अल अराफात, मुरारी सिंह, अनिल तिवारी, अर्जुन पांडेय, बिरसो उराव, रेशमा बेक आदि उपस्थित थे।बताया गया कि विधि विभाग और वित्त विभाग के अनुमोदन के बाद भी विगत छह माह से ज्यादा दिनों से 75 प्रतिशत अनुदान वृद्धि का मामला कैबिनेट में जाने से रुका हुआ है। बजट सत्र में सरकार ने स्वयं आश्वासन दिया था कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में 75 प्रतिशत बढ़ोतरी की राशि संस्थाओं को दे दी जायेगी।विभाग द्वारा दिनांक नौ फरवरी 2026 एवं 16 जून 2026 को सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों व जैक को पत्र भेज कर राज्य के 600 अनुदानित संस्थाओं की जांच कर जांच प्रतिवेदन अविलंब मांगा गया था, लेकिन आज तक मात्र 10-12 जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों ने जांच कर अपना प्रतिवेदन भेजा है. जैक में अभी इस पर जांच प्रक्रिया शुरू भी नहीं हुई है।जैक में 18 माह से उपाध्यक्ष का पद खाली है।वहीं 15 मई 2026 से 13 सदस्यों का पद भी खाली हो गया है।जैक में नीतिगत निर्णय नहीं हो पा रहा है।मान्यता समिति, पाठ्यक्रम समिति, वित्त समिति और प्रस्वीकृति समिति की बैठक नहीं हो पा रही है।

दो साल बाद भी सड़क निर्माण शुरू नहीं होने पर भड़के विधायक संजीव सरदार, अधिकारियों को लगाई फटकार

पूर्वी सिंहभूम (एजेंसी) :पोटका विधायक संजीव सरदार ने जमशेदपुर परिसदन में ग्रामीण कार्य विभाग के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर पोटका विधानसभा क्षेत्र में लंबित सड़क निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कई महत्वपूर्ण सड़क योजनाओं का काम वर्षों से लंबित रहने पर विधायक ने अधिकारियों के प्रति कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने सवाल किया कि टेंडर और कार्य आवंटन के दो-दो वर्ष बाद भी कई सड़कों का निर्माण कार्य शुरू क्यों नहीं हो पाया है और कुछ स्थानों पर सड़क का आधा-अधूरा काम कर उसे छोड़ क्यों दिया गया है। विधायक ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्धारित समय पर काम शुरू नहीं करने वाले संवेदकों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए तथा लंबे समय से लंबित योजनाओं का अविलंब री-टेंडर कराकर निर्माण कार्य शुरू कराया जाये। बैठक में विभाग की ओर से दो संवेदकों के खिलाफ डिबार की कार्रवाई की अनुशंसा किए जाने की जानकारी भी दी गई।बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सिरहा कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स प्रा. लि. को मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना

(सीएमजीएसएसवाई) के तहत पोटका प्रखंड में सरमंदा-सानग्राम, सादेडीह-पोड़ा, समाईडीह-खापरसाई तथा रोलाडीह-खापरसाई सड़क के सुदृढ़ीकरण का कार्य 7 अगस्त 2025 को आवंटित किया गया था। निर्धारित अवधि में काम पूरा नहीं होने पर विभाग की ओर से 6 जनवरी और 20 जनवरी 2026 को नोटिस जारी कर कार्य शुरू करने का निर्देश दिया गया। इसके बावजूद कंपनी की ओर से न तो काम शुरू किया गया और न ही संतोषजनक जवाब दिया गया।इसके बाद विभाग ने कंपनी को डिबार करने की अनुशंसा की है।इसी कंपनी को करीब 11.14 करोड़ रुपये की लागत वाली हरिणा-बुनूडीह, एल-113 से पोड़ा, एल-89 से पोरसा, पिछली-बांधडीह, रादुर-कोपे, पूटूडोनी-सिदिरसाई तथा एचजे रोड से बेदेजुरा तक सड़क सुदृढ़ीकरण की योजना भी आवंटित की गई थी।विभागीय जानकारी के अनुसार इन योजनाओं में भी अपेक्षित प्रगति नहीं हुई।हरिणा से सुदृढ़ी चौक, एल-089 से पोड़सा, पिछली से बांधडीह तथा रागुड़ से कोपे पथ पर केवल वेट मिक्स मैकाडम का काम किया गया है, जबकि पूटूडोनी से सिदिरसाई तक सिर्फ गार्डवाल का निर्माण हुआ है।शेष हिस्सों में काम शुरू नहीं किया गया है। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बावजूद कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर विभाग ने कई बार नोटिस जारी किया। इसके बाद कंपनी को डिबार करने की अनुशंसा की गयी। बैठक में 16.52 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित विशेष मरम्मत योजनाओं की भी समीक्षा की गयी। इनमें हाता-जादूगोड़ा मुख्य पथ से भुजुडीह, दाबंकी-गोबरागोड़ा-मानपुर, कुलडीहा-राखा माइंस रेलवे स्टेशन तथा शहरजुड़ी-सोनापास सड़क शामिल हैं।इन योजनाओं का कार्य भी सिरहा कंस्ट्रक्शन को आवंटित किया गया था।अधिकारियों के अनुसार कंपनी ने कुलडीहा मुख्य पथ से राखा माइंस रेलवे स्टेशन तक सड़क में केवल चौड़ीकरण का कार्य किया है।अन्य हिस्सों में काम शुरू नहीं किया गया।कई नोटिस जारी किए जाने के बावजूद कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर विभाग ने कंपनी के खिलाफ डिबार की अनुशंसा की है।वहीं, रेलवे स्टेशन-बाहरदोरी-चेंगरा तथा कुदादा-छोटा तलसा सड़क सुदृढ़ीकरण का कार्य मिथिला एचआर कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स प्रा. लि. को आवंटित किया गया था। विभाग की ओर से 11 मार्च, 11 अप्रैल और 5 मई 2026 को नोटिस जारी किए जाने के बावजूद कार्य शुरू नहीं किया गया।इसके बाद विभाग ने इस कंपनी को भी डिबार करने की अनुशंसा की है।विधायक संजीव सरदार ने कहा कि सड़क निर्माण जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन संवेदकों ने समय पर कार्य शुरू नहीं किया है, उनके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाये।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित सड़क योजनाओं की प्रक्रिया तेजी से पूरी कर री-टेंडर कराया जाए और नए सिरे से निर्माण कार्य शुरू कराया जाये।बैठक में कार्यपालक अभियंता नीरज कुमार मिश्र, सहायक अभियंता अमरजीत कुमार सिंह, पोटका के कनीय अभियंता विकास कुमार केशरी, जमशेदपुर सदर के कनीय अभियंता इंदु शेखर दुबे, बहरागोड़ा के कनीय अभियंता राजा हेम्ब्रम तथा घाटशिला के सहायक अभियंता रितेश कुमार सिंह सहित ग्रामीण कार्य विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।समीक्षा बैठक के दौरान पोटका विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए अच्छी खबर भी सामने आयी। यहां बताया गया कि विधायक संजीव सरदार की पहल पर मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गंभीरकोचा से जोजोगोड़ा तक 3.3 किलोमीटर सड़क का निर्माण 3.29 करोड़ रुपये, हल्दीपोखर चौक से मुस्लिम बस्ती होते हुए हेंसल सीमा तक 2.1 किलोमीटर सड़क का निर्माण 1.22 करोड़ रुपये तथा हेंसलामदा पंचायत के दीगरसाईं से पोडसागोड़ा तक 1.85 किलोमीटर सड़क का निर्माण 1.68 करोड़ रुपये की लागत से कराया जायेगा।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

मजदूर - किसानों के देशव्यापी जेलभरो आंदोलन में धनबाद में दो सौ ने दी गिरफ्तारी

धनबाद। केंद्रीय मजदूर संगठन तथा संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के देशव्यापी जेलभरो आंदोलन में धनबाद में भी मजदूर किसानों ने गिरफ्तारियां दी। जुलूस निकाला। केंद्र सरकार के विरोध में नारेबाजी की और केंद सरकार पर जनविरोधी नीति अपनाने का आरोप लगाया। मजदूर संगठनों और किसान सभा ने संयुक्त रूप से धनबाद जिला परिषद मैदान से जेलभरो रैली निकाली। रैली मुख्य मार्ग होते हुए पार्क मार्केट हीरापुर, रणधीर वर्मा चौक, कोर्ट परिसर रोड होकर केंद्रीय डाक विभाग धनबाद पहुंचा। वहां सड़क जाम कर दिया। धनबाद थाना प्रभारी सभी को गिरफ्तार कर थाना लेकर आए। दो सौ से ज्यादा लोग गिरफ्तारी दी। सभी को दिनभर थाना परिसर में बिठाये रखा और शाम को बिना शर्त सभी को रिहा कर दिया। जेल भरो आंदोलन को संबोधित करते हुए मजदूर - किसान के नेताओं ने कहा कि कि अगस्त क्रांति अंग्रेज भारत छोड़ो आंदोलन कर हमारे पूर्वजों ने इतिहास रचा और देश स्वाधीन हुआ। आज सत्ता में बैठी केंद्र की सरकार ने सभी हदें पार कर दिया है, वो मजदूर - किसान, छात्र - युवाओं - महिलाओं की आवाज को दबाने के लिए दमनकारी नीति अपना रहे हैं। सरकार लोकतंत्र के लिए खतरा बन गई है। देश की जनता अब बर्दाश्त नहीं करेगी। आज पूरा देश जेलभरो, सत्याग्रह, प्रदर्शन, रास्ता - रोको आंदोलन कर रहा है। हमलोग इस माध्यम से बताने आए हैं कि देश के हितों और जनहित की रक्षा के लिए जनपक्षीय नीति अपनाएं अन्यथा आंदोलन और तीव्र होगा। संयुक्त आंदोलन की प्रमुख मांगों में चारों लेबर कोड के मजदूर विरोधी प्रावधानों को रद्द करना, सभी के लिए खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आवास, सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन, सभी कृषि उपज की वैधानिक एमएसपी पर खरीद की गारंटी, किसानों की सम्पूर्ण कर्जमाफी सहित अन्य कई मांगे हैं। अध्यक्षता करते हुए सीटू जिला अध्यक्ष आनंदमय पाल ने जेलभरो कार्यक्रम को सफल बताया और सभी आंदोलनकारियों को क्रांतिकारी अभिनंदन किया। मुख्य वक्ताओं में सीटू जिला महामंत्री राम कृष्णा पासवान व भारत भूषण, एआईयूटीयूसी से अनिल बाउरी व रामलाल महतो, एआईसीसीटीयू नकुल देव सिंह व कार्तिक प्रसाद, किसान सभा से परशुराम महतो व संतोष महतो, मजदूर कर्मचारी समन्वय समिति से हेमंत मिश्रा व सपन माजी, जेसीएमयू से हराधन रजवार व रतिलाल टुडू, सीटू राज्य सचिव सपन बनर्जी व डीवाईएफआई से नौशाद अंसारी, बीमा कर्मचारी संघ से राजेश कुमार, झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन से शिव बालक पासवान, बीसीकेयू से भगवान दास पासवान के अलावा लीलामय गोस्वामी, जेसीएमयू बीसीसीएल जोन अध्यक्ष उमाशंकर चौहान, बीएसएसआर यूनियन से संदीप अईच, स्टाफ कोडिनेशन से आशीष कुमार सिंह, विकास कु ठाकुर, गौतम प्रसाद, जितेंद्र निषाद, राम बालक, कालीचरण महतो, लता देवी, धनंजय रजक, अर्जुन कुम्हार, फूलो देवी, बुचिया देवी, विश्वजीत रॉय, धनपति डोम, बेफी से देवाशीष वैद्य, हराधन मोदक, उमा गोराई, गोविंद राम, डीएसएमएम से विनोद पासवान, जेपीएमयू से सुनील पासवान, किसान नेता परेश चंद बाउरी, राम वृक्ष धाढ़ी, सुरेश पासवान, सरोज देवी, डीवाईएफआई जिला अध्यक्ष विश्वजीत महतो, महादेव हांसदा, रोहित बर्मन, सुशील उर्फ रामु मंडल, जेलस से नारायण चक्रबर्ती, जीके बक्सी, उदय सिंह, धर्मेंद्र राय, के के त्रिपाठी, धर्मदेव सिंह, सीटू व बीसीकेयू नेता मानस चटर्जी तथा सैकड़ों साथी शामिल थे।

झिलिया नदी पर बना डायवर्सन पर बड़ा हादसा टला, दो घंटा तक लगी रही जाम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः पथ निर्माण विभाग के मैथन मोड़-संजय चौक रोड में झिलिया नदी पर निमार्णाधीन पूल के बगल में बने डायवर्सन पर सोमवार को एक बड़ा हादसा टल गया और कई लोगों की जान बच गई। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह एक ट्रैकर डायवर्सन से गुजर रहा था और उस पर कुछ लोग बैठे हुए थे।अचानक ट्रैकर डायवर्सन के एक किनारे में लटक गया और उस पर बैठे लोग चिल्लाने लगे। आसपास के लोगों ने ट्रैकर पर बैठे लोगों को किसी तरह उतारा और काफी मशक्कत के बाद ट्रैकर को बाहर निकाला गया।ट्रैकर के फंसने से डायवर्सन पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई और लगभग दो घंटा तक जाम की स्थिति बनी रही।ट्रैकर हटने के बाद आवागमन सामान्य हुआ। दो घंटा आवागमन बाधित रहने से आम यात्रियों के साथ साथ स्कूली बच्चे काफी परेशान रहे।भाकपा माले नेता नागेंद कुमार ने कहा कि जबतक पूल का निर्माण नहीं हो जाता है तब तक यह स्थिति रोज की है।कहा कि किसी दिन बड़ा हादसा भी हो सकता है और उसकी सारी जबावदेही विभाग के अधिकारी व ठीकेदार की होगी।

बंगाल पुलिस ने मवेशी लदा किया ट्रक जप्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःझारखंड एवं पश्चिम बंगाल की सीमा स्थित डिबुडीह चेक पोस्ट पर पश्चिम बंगाल के चौरंगी पुलिस ने सोमवार को विशेष अभियान चलाकर गाय-भैंस से लदा एक ट्रक जब्त किया है। साथ ही पुलिस ने ट्रक चालक समेत कुल चार लोगों को हिरासत में ले लिया है। बताया जाता है कि विश्व हिंदू परिषद की गौरक्षा समिति ने पुलिस को सूचना दिया।कहा गया कि झारखंड के मैथन क्षेत्र से मवेशी लदा ट्रक बंगाल जा रहा है।गुप्त पर पुलिस ने डीबुडीह चेकपोस्ट पर नाका चेकिंग शुरू कर दी और संदिग्ध ट्रक को रोक लिया।चालक ने पशु परिवहन से संबंधित कोई कागजात नही दिखाया।पुलिस पता लगा रही है कि मवेशियों को कहां ले जाया जा रहा था।साथ ही चालक से पूछताछ किय जा रहा है।

दो दिवसीय शिल्पोत्सव का समापन

धनबाद। बैंक मोड़ द डीएमसी मॉल में सथानीय कला, हस्तशिल्प और संस्कृति को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय 'शिल्पोत्सव' का सोमवार देर शाम समापन हो गया। इस दो दिवसीय मेले को धनबाद के कला-प्रेमियों और आम लोगों का जबरदस्त समर्थन मिला। ग्राहकों के अप्रत्याशित उत्साह का आलम यह रहा कि कई स्टॉलों के उत्पाद समय से पहले ही बिक गए और शिल्पकारों को दूसरे दिन नया स्टॉक मंगाना पड़ा। समापन समारोह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन और भागीदारी के लिए सभी स्टॉल संचालकों एवं शिल्पकारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मेले की सफलता से गदगद शिल्पकारों ने जिला प्रशासन की इस बेहतरीन पहल की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में बढ़ चढ़ कर भाग लेने की प्रतिबद्धता दोहराई। 'शिल्पोत्सव' में जीआइ टैग्ड केसरिया कलाकंद, फेस मोल्ड आर्ट (मुखौटा निर्माण), रागी से बने विभिन्न पौष्टिक व्यंजन, जुट बैग, जुट क्राफ्ट, हैंडमेड बास्केट, वुडन आर्ट, मसाला प्रोडक्ट, कैंडी, नमकीन, स्वीट, बेकरी, अगरबत्ती, पूजा सामग्री, पेंटिंग, मेटल क्राफ्ट, सोहराई पेंटिंग, डेकोरेटिव कैंडल, सजावटी मोमबत्ती, टेराकोटा, एप्लिक और बैग, ऑर्गेनिक और शुद्ध आचार, लाह की चूड़ियां, क्रोशिया वर्क, मिथिला काज सहित सभी 51 स्टॉल्स लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहे। स्टॉल संचालिका शारदा गिरी, चास बोकारो के पवन कुमार, बाघमारा के मोहित कुमार, रांची के अतुल कुमार, बोकारो की रजनी शर्मा सहित अन्य ने बेहतरीन व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन की सराहना की। सभी ने एक स्वर में कहा कि आगे भी ऐसे आयोजन में वे जरूर हिस्सा लेंगे। आयोजन के दूसरे दिन भी आम जनों ने भारी संख्या में पहुंचकर विभिन्न प्रोडक्ट्स की खरीदारी की।

फर्जी आइडी से सिम खरीदा, ओटीपी पूछ लगाया चूना: नाबालिग समेत पांच गिरफ्तार, नौ फरार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः साइबर ठगी के खिलाफ अभियान में धनबाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चिरकुंडा थाना क्षेत्र में साइबर ठग गिरोह का पदार्फाश करते हुए एक नाबालिग सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।वहीं गिरोह के नौ अन्य सदस्य फरार हो गये। पुलिस ने एमपीएल ओपी क्षेत्र के तिलतोड़िया निवासी प्रेम रविदास, बिनोद रविदास, गोविंदपुर थाना क्षेत्र के खड़काबाद निवासी गुलाब रविदास, चिरकुंडा थाना क्षेत्र के डुमरकुंडा लायकडीह निवासी आयुष सिंह व एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से पांच मोबाइल फोन, विभिन्न कंपनियों के सिम कार्ड, यूको बैंक से संबंधित ग्राहकों का डाटा बरामद किया है।यह जानकारी ग्रामीण एसपी एस मोहम्मद याकूब ने सोमवार अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता में दी। इस दौरान एसडीपीओ निरसा लिलेश्वर महतो सहित अन्य उपस्थित थे।ग्रामीण एसपी ने बताया कि दूरसंचार विभाग, बिहार अनुज्ञप्ति सेवा क्षेत्र, पटना से प्राप्त सूचना के अनुसार एक जनवरी 2026 से 29 मई 2026 के बीच चिरकुंडा थाना क्षेत्र के मुकेश स्टोर दुकान से कुल 64 सिम जारी किये गये थे।इसमें 27 सिम के खिलाफ नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर साइबर ठगी से संबंधित शिकायतें दर्ज हैं।सूचना में बड़ी संख्या में संदिग्ध एवं फर्जी सिम जारी किए जाने की बात सामने आयी है।वरीय अधिकारियों के निर्देश पर सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए निरसा एसडीपीओ लिलेश्वर महतो के नेतृत्व में टीम ने चिरकुंडा थाना क्षेत्र में मुकेश स्टोर दुकान में छापेमारी की, लेकिन दुकान बंद मिली। स्थानीय लोगों से पूछताछ में दुकान मालिक की पहचान मुकेश राय के रूप में हुई। जांच आगे बढ़ी तो लायकडीह दुर्गा मंदिर के पास रहने वाले आयुष सिंह का नाम सामने आया। पुलिस के अनुसार आयुष अपने आइडी का इस्तेमाल कर दुकान से कई सिम खरीदता था और उन्हें ऊंचे दाम पर साइबर ठग गिरोह को बेच देता था।पूछताछ में आयुष ने प्रेम रविदास, बिनोद रविदास, गुलाब रविदास और नाबालिग समेत गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी दी।इसके बाद निरसा थाना क्षेत्र के मुगमा से आरोपितों को पकड़ा गया।पुलिस के अनुसार आरोपित सेक्योर ऐप का इस्तेमाल करते थे। वे बैंक के ग्राहकों को केवाईसी अपडेट करने या खाता बंद होने का झांसा देकर उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर आने वाला ओटीपी पूछते थे।इसके बाद उनके बैंक खाते से राशि वॉलेट में ट्रांसफर कर निकाल लेते थे। बाद में राशि आपस में बांट लेते थे।पुलिस ने आरोपितों के पास से पांच मोबाइल फोन, विभिन्न कंपनियों के सिम कार्ड तथा गूगल शीट में दर्ज बैंक से संबंधित मोबाइल नंबर और खाता नंबरों का डाटा बरामद किया है। बरामद डिजिटल सामग्री की भी जांच की जा रही है।पुलिस ने इस संबंध में चिरकुंडा थाना कांड संख्या 159/2026 दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में प्रेम रविदास, बिनोद रविदास, गुलाब रविदास और आयुष सिंह शामिल हैं. पुलिस के अनुसार गिरोह से जुड़े नौ अन्य आरोपित फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। छापेमारी में निरसा एसडीपीओ लिलेश्वर महतो, चिरकुंडा थाना प्रभारी आशुतोष कुमार, कुमारधुबी ओपी प्रभारी मैथ्यू एक्का, एमपीएल ओपी प्रभारी सुमन कुमारी, पंचेत थाना प्रभारी सुजीत सिंह आदि शामिल थे।

आओ पेड़ लगाएं, धरती को हरियाली से सजाएं

डीसी तथा डीडीसी ने किया विभिन्न विद्यालयों में पौधरोपण

धनबाद। आओ पेड़ लगाएं, धरती को हरियाली से सजाएं के आह्वान के साथ सोमवार को जिले के स्कूलों में पौधरोपण किया गया। इस अभियान को सफल बनाने के लिए जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई, जिन्होंने अपने आवंटित विद्यालयों में अपनी देख-रेख में पौधरोपण का कार्य संपन्न कराया। इस कार्यक्रम के दौरान डीसी सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय, प्लस 2 उच्च विद्यालय यादवपुर तथा प्लस 2 उच्च विद्यालय नगरकियारी का दौरा कर पौधारोपण किया तथा स्कूलों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान विद्यालय का भ्रमण करते हुए उपायुक्त ने सभी प्रभारी प्राचार्य को निर्देश दिया कि आगामी स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2026) को ध्यान में रखते हुए वे विद्यालयों की संपूर्ण रूप से साफसफाई रखें। साथ ही प्रभारी प्रधानाध्यापकों तथा शिक्षकों द्वारा विद्यालय स्तर पर चलाए जा रहे 'ठङ्ख उङ्ख२३ झ्र छङ्ख६ उङ्ख२३ नवाचारों और प्रयासों का जायजा लिया तथा आवश्यक मार्गदर्शन व निर्देश दिए गए। डीसी आदित्य रंजन ने कहा कि इस हरित पहल और निरीक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य धनबाद जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वतंत्रता दिवस से पूर्व विद्यालयों में स्वच्छ व शैक्षणिक माहौल सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण को हरा-भरा और सुरक्षित बनाने के लिए सामूहिक रूप से वृक्षारोपण शपथ ली। सभी ने प्रत्येक वर्ष कम-से-कम एक पौधा लगाना तथा उसकी पूर्ण देखभाल करने, लगाए गए पौधों को जीवित रखने, जल, वायु एवं प्रकृति को स्वच्छ और सुरक्षित रखने, अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के लोगों को भी अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने तथा हरित धनबाद एवं स्वच्छ भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

जेबीसीसीआई को गठन व चोर लेवर कोड के विरोध में संयुक्त मोर्चा ने किया धरना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जेबीसीसीआई-12 का गठन व चोलर लेवर कोड के खिलाफ संयुक्त मौर्चा द्वारा सोमवार को इसीएल मुगमा क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य द्वारा पर एक दिवसीय धरना व प्रदर्शन किया गया।धरना में पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो भी शामिल हुए।संचालन जगदीश शर्मा ने किया।धरना को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री श्री महतो ने कहा कि आज देश में मजदूर और किसानों के साथ खुलेआम भेदभाव कर शोषण किया जा रहा है।माइन डेवलपर सह ऑपरेटर के नाम पर कोल इंडिया और कोयला खदानों का अंधाधुंध निजीकरण किया जा रहा है।जिसे मजदूर किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा।कहा कि चारों लेवर कोड को बैक दरवाजे से लाकर लागू करन की कोशिश की जा रही है। ताकि मजदूरों के लोकतांत्रिक व कानूनी अधिकारों को छीना जा सके। उन्होंने कहा कि मजदूर अधिकारों की रक्षा और इस तानाशाही के खिलाफ बहुत जल्द सभी यूनियनों की एक संयुक्त बैठक रांची में आयोजित की जाएगी। जहां से पूरे कोयला उद्योग में आर-पार की लड़ाई लड़ने की घोषणा की जायेगी। इस दौरान सीएमडी के नाम एजीएम सतानंद शर्मा को चार सूत्री मांग पत्र सौंपा गया। सभा को आरसीएमएस के महासचिव सह जेबीसीसीआई सदस्य एके झा, गणेश धर, कष्णा सिंह, लक्खी सोरेन, शशि तिवारी, धर्मेंद्र सिंह, मनोज सिंह, नागेन्द्र सुमार, उमेश गोस्वामी, अरूण सिंह, पीएन राय ने संबोधित किया मौके पर बिपिन मंडल, नकुल मोदी, सुदाम भंडारी, तारापदों गोप, सत्येन्द्र कुमार सिंह, शमीम अंसारी, रंजीत मोदी, बाबू लाल सोरेन, रबिंद्र सिन्हा, मुन्ना पासवान, धर्मेंद्र यादव, परशु नाहक, राघवेन्द्र राय, उमेश सिंह, अजय कुमार, मानस तिवारी, कुंजल चौहान, लव यादव सहित काफी संख्या में मजदूर उपस्थित थे।

धनबाद में जुलाई में 501 कांडों का हुआ निष्पादन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर धनबाद पुलिस ने जुलाई माह में बेहतर प्रदर्शन किया है। जिला पुलिस मुख्यालय में सोमवार को एसएसपी प्रभात कुमार की अध्यक्षता में आयोजित मासिक अपराध समीक्षा बैठक में जिले की कानून-व्यवस्था, अनुसंधान और पुलिस कार्रवाई की समीक्षा की गई।

धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार जानकारी देते हुए बताया कि जुलाई में जिले में 445 नए कांड दर्ज हुए, जबकि पुलिस ने जुलाई में 501 मामलों का निष्पादन किया। इसके साथ ही लंबित कांडों की संख्या जून के 1796 से घटकर 1740 रह गई। एसएसपी ने अगले दो माह में लंबित मामलों की संख्या 1600 से नीचे लाने का लक्ष्य तय किया है।

वारंट निष्पादन में भी पुलिस ने तेजी दिखाई। जुलाई में 1097 लंबित वारंटों का निष्पादन किया गया। अगस्त में लंबित वारंट और कुर्की मामलों के कम से कम 50 प्रतिशत निष्पादन का निर्देश थाना प्रभारियों को दिया गया है। अनुसंधान के दौरान 705 मामलों में चार्जशीट अथवा अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय में दाखिल किया गया।

बैठक में बताया गया कि जिले में बाइक चोरी की घटनाओं में कमी आई है। जुलाई में किसी बड़े संगठित अपराध की घटना सामने नहीं आई। एसएसपी ने संगठित अपराध के खिलाफ अभियान जारी रखने और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी तेज करने का निर्देश दिया।

उन्होंने बताया कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर धनबाद पुलिस ने जुलाई में रिकॉर्ड कार्रवाई करते हुए 92 लाख रुपये से अधिक का जुमार्ना वसूला। एसएसपी ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल जुमार्ना वसूलना नहीं, बल्कि सड़क हादसों में कमी लाना और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना है। नो-पार्किंग, गलत दिशा में वाहन चलाने और ओवरस्पीड के खिलाफ अभियान तेज करने का निर्देश दिया गया।एसएसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि साइबर अपराध को रोकथाम के लिए 17 अगस्त से जिलेभर में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत जागरूकता पुस्तिका का विमोचन, मार्च और ग्राम चौपालों का आयोजन होगा। लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा।

पुलिस की डिजिटल पहल के तहत पिछले माह चोरी या गुम हुए 505 मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए गए। आगामी 25 अगस्त को भी बरामद मोबाइल फोन उनके स्वामियों को सौंपे जाएंगे। बैठक में सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी, डीएसपी, एसडीपीओ सहित सभी थाना और ओपी प्रभारी मौजूद रहे।

डालसा, धनबाद द्वारा कम्युनिटी मेडिएटर के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण , नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण , रांची के मार्गदर्शन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण , धनबाद निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर कम्युनिटी मेडिएटर के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद श्री मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि धनबाद जिले के दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से चयनित 15 कम्युनिटी मेडिएटरों को तीन दिनों तक विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें मध्यस्थता की प्रक्रिया, संवाद कौशल, विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, आपसी सहमति एवं सुलह-समझौते के माध्यम से विवाद निपटान की विधि से अवगत कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत सभी कम्युनिटी मेडिएटर अपने-अपने पंचायत सचिवालय में बैठकर ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पन्न छोटे-छोटे पारिवारिक, सामाजिक एवं आपसी विवादों का सुलह-समझौते के माध्यम से त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे न्यायालयों पर मामलों का भार भी कम होगा तथा ग्रामीण जनता को अपने क्षेत्र में ही सरल, सुलभ एवं त्वरित न्याय उपलब्ध हो सकेगा।

डालसा का उद्देश्य ग्राम स्तर पर विवादों का शांतिपूर्ण समाधान सुनिश्चित कर न्याय तक आम लोगों की आसान पहुँच स्थापित करना तथा समाज में आपसी सद्भाव एवं भाईचारे को बढ़ावा देना है

जिले के 257 विद्यालयों में संपन्न हुआ पौधरोपण अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिले के प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालयों सहित कुल 257 विद्यालयों में वृहद स्तर पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए प्रतिनियुक्त जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों ने अपने-अपने आवंटित विद्यालयों में उपस्थित रहकर अपनी देख-रेख में पौधरोपण संपन्न कराया। इस दौरान फलदार और छायादार पौधे लगाए गए तथा विद्यार्थियों व शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।पौधरोपण के साथ-साथ प्रतिनियुक्त अधिकारियों द्वारा आगामी स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) की तैयारियों का जायजा भी लिया गया। अधिकारियों ने विद्यालयों के परिसर एवं कक्षाओं की संपूर्ण साफ-सफाई का निरीक्षण किया। इसके अलावा, प्रभारी प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों द्वारा 'नो कॉस्ट - लो कॉस्ट' पहल के तहत शिक्षण सामग्री व विद्यालय विकास के लिए किए जा रहे नवोन्मेषी प्रयासों का सूक्ष्म अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य और स्वच्छ वातावरण में आयोजित किया जा सके। उपायुक्त आदित्य रंजन ने कार्यक्रम की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालयों में लगाए गए पौधों की देख-रेख की जिम्मेवारी भी तय की गई है, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश बच्चों के व्यवहार में शामिल हो सके।

जेबीसीसीआइ-12 के गठन के लिए संयुक्त मोर्चा का धरना प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः : सोमवार को बीसीसीएल के बरोरा एवं ब्लॉक दो क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष देशव्यापी धरना प्रदर्शन किया। धरना में बीएमएस को छोड़कर कोयला उद्योग की अन्य सभी प्रमुख यूनियनों में एटक, एचएमएस, इंटक, सीटू, मासा और सिस्टा के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर हुंकार भरी। वक्ताओं ने कहा कि जेबीसीसीआइ-12 का अविलंब गठन एवं 11वीं जेबीसीसीआइ के सभी बकाया मुद्दों का तुरंत निष्पादन तथा कोयला उद्योग के निजीकरण पर पूरी तरह से रोक लगाने के साथ मजदूर विरोधी चारों लेबर कोड को तत्काल प्रभाव से रद्द नहीं किया गया तो कोयला उद्योग का चक्का जाम कर देंगे। मौके पर ब्लॉक दो क्षेत्र में तुलसी साव, भरत महतो, गोपाल चंद्र गोप, सुरेन्द्र यादव, इंदल यादव, अरशद हुसैन, मुरारी पांडेय, शंकर महतो, तपन पांडेय, रविन्द्र कुमार, ज्ञानी जैल सिंह, सुरेश चौहान, संतोष दास, उतम पांडेय, राम कुमार पांडेय तथा बरोरा क्षेत्र में लगनदेव यादव, संतोष गोराई, उमाकांत राय, रतन चौहान, दयाल महतो, सोनु कुमार सिंह, मंगल हेम्ब्रम, तपन पांडेय, एमडी मंसूर आलम, संजय सिंह, राजीव महतो, अनील बाउरी, नवल किशोर महतो, सुनील सिंह, एनडी पांडेय,संजय चौबे , जगदीश रवानी आदि मौजूद थे।

सशक्त युवा-सशक्त भारत अभियान के तहत डालसा धनबाद ने शुरू किया जागरूकता अभियान

पहला कदम एनजीओ में दिव्यांग युवाओं के लिए सेंसरी डिजिटल रूम का हुआ उद्घाटन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः : नालसा एवं झालसा के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण , धनबाद निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर जिले में सशक्त युवाझसशक्त भारत अभियान के तहत व्यापक विधिक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में डालसा धनबाद द्वारा पहला कदम एनजीओ के सहयोग से मानसिक एवं बौद्धिक दिव्यांग युवाओं के समग्र विकास एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता को लेकर विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर अवर न्यायाधीश सह डालसा सचिव मयंक तुषार टोपनो ने कहा कि सशक्त युवाझसशक्त भारत अभियान का उद्देश्य युवाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ समाज के वंचित एवं दिव्यांग वर्ग को विधिक सहायता और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है

शिविर में दिव्यांग युवाओं के अधिकारों एवं उनके लिए उपलब्ध सरकारी एवं विधिक सुविधाओं की जानकारी उनके अभिभावकों को दी गई।

कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से दिव्यांग प्रमाण-पत्र, दिव्यांग पेंशन, यूआईडी कार्ड एवं रेलवे पास सहित विभिन्न सुविधाओं से संबंधित जानकारी एवं आवश्यक सहायता प्रदान की गई। साथ ही मानसिक एवं बौद्धिक दिव्यांग युवाओं के समग्र विकास के लिए सेंसरी डिजिटल रूम का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम में एलएडीसीएस के सहायक सुमन पाठक।पहला कदम एनजीओ के सदस्य, डालसा सहायक सौरभ सरकार, अधिकार मित्र पूनम कुमारी, सोनी कुमारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

11-08-2026 T.P. Page 4_Layout 1 11-08-2026 06:44 Page 1

संक्षिप्त खबरें

रांची के रवि अग्रवाल बने एसएफएस बिहार-झारखंड के क्षेत्रीय संयोजक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची :रांची के छात्र नेता रवि अग्रवाल को एसएफएस बिहार-झारखंड का क्षेत्रीय संयोजक बनाया गया है।श्री अग्रवाल को भारतीय विद्यार्थी परिषद के आयाम स्टूडेंट्स फॉर सेवा (एसएफएस) की कर्नाटक स्थित केएलइ यूनिवर्सिटी, हुब्बली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में उन्हें यह जिम्मेवारी सौंपी गयी है।उन्हें यह जिम्मेवारी राष्ट्रीय संयोजक कुमारी शिल्पा एवं राष्ट्रीय प्रमुख भवानी शंकर ने सौंपी है। राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान सेवा के विभिन्न आयामों, समाज में सेवा कार्यों के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा आधुनिक समय की सामाजिक चुनौतियों और उनके समाधान जैसे विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर राष्ट्रीय प्रमुख भावनी शंकर ने कहा कि देशभर से आये छात्र एवं युवा शक्ति, जो सामाजिक क्षेत्र में निरंतर अपना योगदान दे रहे हैं, उनसे मिलने और उनके अनुभवों को जानने का यह एक महत्वपूर्ण एवं सुनहरा अवसर है। दायित्व मिलने के बाद श्री अग्रवाल ने कहा कि केंद्रीय कमेटी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने का प्रयास करेंगे।

जेएन कॉलेज धुर्वा में वोटर जागरूकता अभियान चलाया गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची :जेएन कॉलेज धुर्वा में सोमवार को जिला निर्वाचन कार्यालय के तत्वावधान में विद्यार्थियों के बीच वोटर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को मतदाता सूची में अपना दर्ज कराने तथा सूची में दर्ज नाम व अन्य विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उसे सुधारने के प्रति जागरूक किया गया। प्राचार्या डॉ शमशुन नेहार ने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उसकी सक्रिय भागीदारी के लिए आवश्यक है। इस मौके पर विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलायी गयी।

विश्व शेर दिवस पर सांसद परिमल नथवाणी ने जारी की गिर की अमूल्य धरोहर वृत्तचित्र

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची :विश्व शेर दिवस के अवसर पर राज्यसभा सांसद परिमल नथवाणी ने गिर के एशियाई सिंहों के संरक्षण पर आधारित एक विशेष वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) ह्यगिर की अमूल्य धरोहरह्न जारी की है। यह वृत्तचित्र गिर के राजसी शेरों के संरक्षण की अब तक की ऐतिहासिक यात्रा, स्थानीय समुदायों की भूमिका और प्राकृतिक आवास की सुरक्षा में लगे वन कर्मियों के प्रयासों को रेखांकित करता है।वृत्तचित्र में विशेष रूप से गिर की शेरनियों की महत्वपूर्ण भूमिका को दशार्या गया है।बताया गया है कि शावकों के पालन-पोषण और सिंहों की अगली पीढ़ी को सुरक्षित कर इस प्रजाति की बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका है। वन अधिकारियों, फ्रंटलाइन वनकर्मियों और ट्रैकर्स के अथक प्रयासों ने एक ऐसा सुरक्षित वातावरण तैयार किया है, जहां शेर निर्भीकता से प्रजनन कर सकते हैं। सिंहों की संख्या में 70 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 891 हो गई है. इनमें वयस्क शेरनियों की संख्या 330 है।शेरों का प्राकृतिक विचरण क्षेत्र भी अब सौराष्ट्र के 11 जिलों में लगभग 35,000 वर्ग किलोमीटर तक फैल चुका है।विशेष रूप से बरडा क्षेत्र अब सिंहों के दूसरे घर के रूप में विकसित हो रहा है।श्री नथवाणी ने इस सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच और वन विभाग के समर्पण को दिया।उन्होंने कहा कि पिछले 35 वर्षों से गिर की यात्रा करते हुए उन्होंने इस बदलाव को बहुत करीब से देखा है। अब भविष्य में संरक्षण का अगला चरण सिंहों पर होने वाले अनावश्यक मानवीय हस्तक्षेप से बचने पर केंद्रित होना चाहिए।

सीसीएल, बीसीसीएल, इसीएल व सीएमपीडीआइ में प्रदर्शन किया आरसीएमएस ने

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची :कोल इंडिया में जेबीसीसीआइ-12 के तत्काल गठन, 11वें वेतन समझौते के शेष लंबित प्रावधानों के शीघ्र क्रियान्वयन सहित अन्य मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ (इंटक से संबद्ध) ने सीसीएल, बीसीसीएल, इसीएल एवं सीएमपीडीआइ में प्रदर्शन किया।कंपनी मुख्यालयों सहित विभिन्न महाप्रबंधक कार्यालयों एवं परियोजना कार्यालयों पर संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर धरना एवं विरोध-प्रदर्शन किया गया।इसमें विभिन्न क्षेत्रों और परियोजनाओं तक अध्यक्ष, एरिया अध्यक्ष, एरिया सचिव, परियोजना अध्यक्ष, परियोजना सचिवों ने हिस्सा लिया।प्रदर्शन के दौरान ठेका मजदूरों के वेतन एवं सेवा शर्तों में सुधार, सामाजिक सुरक्षा, कोयला उद्योग में बढ़ते निजीकरण का विरोध भी किया गया। इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व सांसद प्रदीप कुमार बालमुचू, राष्ट्रीय महासचिव एनजी अरुण के निर्देशन में इसका आयोजन किया गया।प्रवक्ता ऋषिकेश मिश्र ने कहा कि यह प्रदर्शन मजदूरों की एकजुटता और उनके अधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।जेबीसीसीआइ-12 का गठन अब और विलंबित नहीं किया जाना चाहिए। मजदूर हितों से जुड़े लंबित मुद्दों के समाधान के लिए इंटक पूरी मजबूती के साथ संघर्ष करेगा।

जेपीएससी : फॉरेस्ट रेंज अफसर व एसीएफ शारीरिक परीक्षण जांच परीक्षा स्थगित 11 से होनी थी जांच परीक्षा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची :जेपीएससी ने फॉरेस्ट रेंज अफसर (एफआरओ) तथा सहायक वन क्षेत्र पदाधिकारी (एसीएफ) भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षण जांच परीक्षा अगले आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया है।आयोग की तरफ से परीक्षा नियंत्रक ने इस आशय का निर्देश सोमवार को जारी कर दिया है।फॉरेस्ट रेंज अफसर के 170 पदों पर नियुक्ति के लिए शारीरिक परीक्षण 11, 12 और 13 अगस्त 2026 को होना था। इसमें 743 अभ्यर्थी को शामिल होना था। इसी तरह सहायक वन क्षेत्र पदाधिकारी (एसीएफ) के 78 पदों पर नियुक्ति के लिए शारीरिक परीक्षण 17 और 18 अगस्त को होना था।इसमें 368 अभ्यर्थी को शामिल होना था।

दो वर्षीय बीएड डिग्री मामले में हाइकोर्ट का निर्देश, सहायक आचार्य प्रतियोगिता की 70 सीटें खाली रखें

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाइकोर्ट ने प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य प्रतियोगिता परीक्षा-2023 में दो वर्षीय बीएड डिग्री वाले अभ्यर्थियों को शामिल करने के एकल पीठ के आदेश को चुनौती देनेवाली अपील पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस एमएस सोनक व जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने लंबी सुनवाई के बाद झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की अपील याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया। साथ ही खंडपीठ ने राज्य सरकार एवं जेएसएससी को सहायक आचार्य प्रतियोगिता परीक्षा में 70 सीटें रिक्त (रिजर्व) रखने का निर्देश दिया। इसके अलावा खंडपीठ ने मामले में दायर अवमानना याचिका की सुनवाई पर अगले आदेश तक के लिए रोक लगा दिया। मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2027 में होगी.

इसी मामले से जुड़े अन्य 168 अभ्यर्थियों को भी उचित राहत के लिए एकल पीठ के समक्ष जाने की स्वतंत्रता दी गयी।इससे पूर्व अपीलकर्ता जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरावाल ने पक्ष रखा।उन्होंने खंडपीठ को बताया कि हाइकोर्ट ने झारखंड के रहनेवाले वैसे विद्यार्थी जो सीटेट या पड़ोसी राज्यों के टेट पास हैं, उन्हें भी सहायक आचार्य की परीक्षा में शामिल करने का आदेश दिया था। इसको परिमल कुमार व अन्य ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।इसी दौरान राज्य सरकार ने वर्ष 2024 में सहायक आचार्य नियमावली में संशोधन कर लागू किया था।फिर इनसे आवेदन लिया गया, लेकिन वर्ष 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि उक्त परीक्षा के लिए सहायक आचार्य नियुक्ति नियमावली 2022 ही लागू रहेगी। संशोधित नियमावली 29 जनवरी 2024 लागू नहीं होगी, जिसमें दो वर्षीय बीएड वाले को भी योग्य माना गया था।सुप्रीम कोर्ट ने दो वर्षीय बीएड वाले अभ्यार्थियों को नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल करने के संबंध में कोई दिशा निर्देश नहीं दिया था।इसके बाद जेएसएससी ने वर्ष 2022 की नियुक्ति के आधार पर नियुक्ति की प्रक्रिया की है, जिसमें अभ्यर्थियों से एक वर्षीय बीएड डिग्री मांगी गयी थी।वहीं प्रतिवादी की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने पैरवी की।उन्होंने कहा कि याचिकाकताओं के पास दो वर्षीय बीएड की डिग्री है और उन्हें नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर किये जाने से वे प्रभावित हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जेएसएससी ने अपील याचिका दायर कर एकल पीठ के आदेश को चुनौती दी है। विप्लव दत्ता व अन्य के मामले में एकल पीठ ने दो वर्षीय बीएड करनेवालों को भी नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल करने का आदेश दिया है।

माओवादी ठिकानों पर छापा, हथियार-गोली बरामद,गिरफ्तार माओवादियों से पूछताछ के बाद संयुक्त अभियान

सरायकेला (एजेंसी) :जिले में माओवादी गतिविधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। रिमांड पर लिये गये माओवादियों से पूछताछ के बाद जिला पुलिस, 209 कोबरा खूंटी और 26वीं वाहिनी एसएसबी की संयुक्त टीम ने कुचाई थाना क्षेत्र के सिकरम्बा जंगल तथा चांडिल थाना क्षेत्र के आसनबनी के ऊपर स्थित दलमा जंगल में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। अभियान के दौरान माओवादियों द्वारा जंगल में छिपाकर रखे गये हथियार, मैगजीन, जिंदा कारतूस और विस्फोटक बरामद किये गये। बरामद सामग्री में एक इंसास, एक एसएलआर, दो .303 राइफल और देसी पिस्टल समेत कुल 309 जिंदा कारतूस शामिल हैं। एक आईईडी व दो डेटोनेटर भी बरामद किये गये, जिन्हें बीडीएस टीम ने मौके पर सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया।जिला पुलिस के अनुसार पिछले दिनों भाकपा माओवादी संगठन के सब जोनल कमेटी सदस्य रवि सिंह सरदार उर्फ सागर सिंह सरदार, रीजनल कमेटी सदस्य मदन महतो उर्फ शंकर महतो तथा सब जोनल कमांडर मीना पहाड़िया उर्फ नेपु पहाड़िया को गिरफ्तार किया गया था।न्यायालय से पुलिस रिमांड मिलने के बाद तीनों से माओवादी संगठन से जुड़े फरार आरोपियों तथा हथियार व गोली-बारूद के संबंध में पूछताछ की गयी। पूछताछ के दौरान मिले इनपुट के आधार पर जंगल में माओवादी ठिकानों को चिह्नित कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।दुर्गम और घने जंगलों में सुरक्षा बलों की टीम ने सावधानीपूर्वक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान जंगल में छिपाकर रखे गये हथियार, गोली समेत अन्य विस्फोटक बरामद किये गये।संयुक्त अभियान के दौरान दो 303 राइफल, एक 5.56 एमएम इंसास राइफल, एक 7.62 एमएम एसएलआर राइफल तथा एक 9 एमएम देसी पिस्टल बरामद की गयी।इसके अलावा 303 राइफल की तीन मैगजीन, आठ चार्जर, एसएलआर की तीन मैगजीन, इंसास की चार मैगजीन और 9 एमएम देसी पिस्टल की दो मैगजीन भी मिलीं।तलाशी में 7.62 एमएम के 171, 5.56 एमएम के 126 और 9 एमएम के 12 जिंदा कारतूस बरामद हुए। इस प्रकार कुल 309 जिंदा कारतूस सुरक्षा बलों के हाथ लगे।

चोरी की बढ़ती घटनाओं के विरोध में व्यापारियों ने किया कैंडल मार्च, मंगलवार को चक्रधरपुर बंद आह्वान

पश्चिमी सिंहभूम (एजेंसी) :चक्रधरपुर शहर में लगातार घरों और दुकानों में हो रही चोरी की घटनाओं के विरोध में सोमवार देर शाम व्यापारी संघ के नेतृत्व में बड़ी संख्या में व्यापारियों ने कैंडल मार्च निकाला।हाथों में जलती मोमबत्तियां लेकर व्यापारी पवन चौक से चक्रधरपुर थाना पहुंचे और शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।कैंडल मार्च के दौरान व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर तत्काल प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की। व्यापारियों का कहना था कि लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से व्यापारी ही नहीं, आम लोग भी अपने घरों और प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।चोरों के बढ़ते हौसले से शहर के व्यापारियों में भय के साथ-साथ आक्रोश भी बढ़ रहा है।व्यापारियों ने हाल में चक्रधरपुर के रश्मि इलेक्ट्रॉनिक प्रतिष्ठान में हुई बड़ी चोरी की घटना का भी मुद्दा उठाया।उन्होंने पुलिस से चोरी गई सामग्री को जल्द से जल्द बरामद करने तथा घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।व्यापारियों ने स्पष्ट कहा कि शहर में चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगनी चाहिए और चोरी की संपत्ति की बरामदगी होनी चाहिए। जब तक व्यापारियों और आम लोगों की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक व्यापारी अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे।व्यापारी संघ ने चोरी की बढ़ती घटनाओं के विरोध में मंगलवार को चक्रधरपुर शहर के सभी प्रतिष्ठानों को बंद रखने का निर्णय लिया है। व्यापारियों ने कहा कि बंद के माध्यम से पुलिस प्रशासन और सरकार तक शहर की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता और मांग पहुंचाई जाएगी। कैंडल मार्च में बड़ी संख्या में शहर के व्यापारी एवं व्यवसायी शामिल हुए।मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष गुरुचरण नायक, पूर्व विधायक शशिभूषण सामड, व्यापारी संघ के गोपाल खिरवाल, नारायण अग्रवाल, सज्जन भगेरिया, सचिन केडिया, अवध खिरवाल, आशीष पाड़िया, सतीश भगेरिया, अजय शर्मा, कमल अग्रवाल, विक्की पाड़िया, रितेश पाड़िया, महेश मोदी, मनोज खिरवाल, नरेश कड़िया, माधव झुनझुनवाला, गुलशन चुक, पमपम केजरीवाल, संतोष अग्रवाल, जयप्रकाश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद थे।

कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक समय पर पहुंचाएं :उपायुक्त

पलामू (एजेंसी) :उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय में कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरण, प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, छात्रावास, आवासीय विद्यालय सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गयी साथ ही प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान के तहत मल्टी पर्पस सेंटर निर्माण की स्थिति की भी जानकारी ली गयी।

साइकिल वितरण योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में वर्ग 8 में अध्ययनरत पात्र छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण का कार्य किया जा रहा है।उपायुक्त श्री शेखावत ने शेष पात्र विद्यार्थियों को भी शीघ्र साइकिल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।उन्होंने विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि विद्यार्थियों को वितरित की गयी साइकिलें खुले में या असुरक्षित स्थानों पर नहीं रखी जाएं। उन्होंने कहा कि साइकिल के रख-रखाव के लिए उचित व्यवस्था हो, ताकि बारिश, धूप एवं अन्य कारणों से साइकिल खराब न हो और विद्यार्थियों को लंबे समय तक इसका लाभ मिल सके।बैठक में छात्रवृत्ति योजनाओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को पात्र विद्यार्थियों के आवेदनों के सत्यापन एवं भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा किसी भी पात्र लाभुक को योजना के लाभ से वंचित नहीं होने देने का निर्देश दिया।इसके अलावा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। धार्मिक स्थलों की चाहरदीवारी, आदिवासी कला-संस्कृति भवन, छात्रावास एवं आवासीय विद्यालय सहित अन्य योजनाओं की भी समीक्षा हुई। पीएम जनमन के तहत मल्टी पर्पस सेंटर निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों से निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने सभी लंबित कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराने तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने कहा कि कल्याण विभाग की योजनाएं समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों को शिक्षा, रोजगार तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे में योजनाओं का क्रियान्वयन संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ किया जाए तथा इसका वास्तविक लाभ पात्र लाभुकों तक समय पर पहुंचना सुनिश्चित हो।बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी प्यारेलाल समेत विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

एक्सरे कराने आए परिजनों ने हंगामा कर अस्पताल में तोड़फोड़ की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची :सदर अस्पताल में मरीज की मौत, इलाज में देरी और डिस्चार्ज को लेकर परिजनों और चिकित्सा कर्मियों के बीच अक्सर हिंसक झड़पें लगातार सामने आ रही हैं।सोमवार को एक मरीज के साथ सेंट्रल कंसोल रूम में कार्यरत एक्सरे टेक्नीशियन को स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान के नाम पर न केवल धमकी दी गई बल्कि बाहर से 10 - 15 लोगों को बुलवाकर एक्सरे टेक्नीशियन माधव राज भंडारी की जमकर पिटाई की गई। उन्हें इतनी बुरी तरह से लात-घूसा चलाकर पीटा गया कि उनका एक हाथ में फ्रैक्चर हो गया और उनके आंखों और चेहरे पर भी गंभीर चोटें लगी है।इस दौरान उनके दाहिने हाथ की उंगलियां बुरी तरह से चोटिल हो गई। आर्थो डिपार्टमेंट में दिखाने के बाद उन्हें प्लास्टर कराया गया।मारपीट और तोड़फोड़ के मामले में सदर अस्पताल में पीड़ित

पक्ष की ओर से एक्सरे टेक्नीशियन जलेश्वर महतो, दिनेश पाठक, ज्योति कच्छप सहित आठ स्टॉफ की ओर से लोअर बाजार थाना में पुलिस को लिखित शिकायत की गई।

बताया जा रहा है कि मरीज का एक्सरे करने की बात कही गई गई थी।इसके बावजूद परिजन ने उनके साथ मारपीट की और जब हल्ला हुआ तब वे गाड़ी से मरीज को ले कर फरार हो गए। अस्पताल के एक्सरे कैसेट सहित अन्य उपकरणों को नुकसान पहुंचाने की बात कही गई है।घटना के बाद से अस्पताल के मेडिकल स्टॉफ डरे-सहमे हुए हैं। जानकारी के मुताबिक घटना के बाद दोनों पक्षों की ओर से थाने में लिखित शिकायत दी गई है।दूसरे पक्ष ने अस्पताल कर्मियों पर छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है।सदर अस्पताल में लातेहार से आई एक मरीज अस्पताल में अपना उपचार कराने आई थी।डॉक्टर ने एक्सरे कराने को कहा था।टेक्निकल स्टॉफ ने बताया कि यह एक्सरे खाली पेट होना है। इसके बाद मरीज दोबारा सोमवार सुबह 10:30 बजे अस्पताल पहुंचा। एक्सरे में काफी भीड़ रहने के कारण कंसोल रूम में जाकर मरीज फौरन एक्सरे कराने की जिद्द करने लगी।दर्ज शिकायत में कहा गया कि सपोर्टिंग मेडिकल स्टाफ ने महिला को कपड़े बदलने की सलाह दी, जिसे उसने नहीं माना।एक्स-रे फिल्म देने के दौरान महिला मरीज और उसका पति एक्सरे टेक्नीशियन से देरी को लेकर बहस करने लगा। लेकिन वह उस वक्त समझाने - बुझाने के बाद वहां से चले गए. इसके आधे घंटे बाद ही अचानक से 10-12 की संख्या में अज्ञात युवक एक्सरे कंसोल रूम में अचानक घुस आए और हॉस्पिटल स्टॉफ पर हमला किया।

दूसरी सोमवारी पर बुढ़वा महादेव में हर-हर महादेव से गूंज उठा

हजारीबाग (एजेंसी) :सावन महीने की दूसरी सोमवारी पर प्रखंड के तमाम शिवालय हर-हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठा.सुबह से ही विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी थी। बड़कागांव से 3 किलोमीटर दूर स्थित 500 मीटर ऊंची बुढ़वा महादेव पहाड़ में सुबह 2 बजे से शिव भक्तों ने रजरप्पा एवं बड़कागांव के रानी तालाब से कांवर लेकर एवं जल उठाकर बुढ़वा पहाड़ में चढ़कर बुढ़वा महादेव मंदिर में जल चढ़ाया।युवक युवतियों एवं बच्चे शामिल थे। सभी ने बारी-बारी से मंदिर में भोलेनाथ को जल चढ़ाकर विधि विधान से पूजा-अर्चना की।महिला श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था।बुढ़वा महादेव के अलावा बड़कागांव के राम जानकी मंदिर, राधेश्याम मंदिर ,पकरी बरवाडीह शिव मंदिर, सांढ के शिव मंदिर,नया टांड़ शिव मंदिर, बादम,तालाश्वर शिव मंदिर,हरली शिव मंदिर,महुगाई कला शिव मंदिर में भी पूजा अर्चना की गई।श्रावणी मेला समिति में अध्यक्ष शशि कुमार मेहता, सचिव शिव शंकर उर्फ शिबू मेहता, कोषाध्यक्ष बालेश्वर महतो, संयोजक केदार प्रसाद डदांगी,उप संयोजक महेंद्र महतो, उपाध्यक्ष सीताराम राणा, महा संरक्षक जयशंकर मेहता, संरक्षक रामचरित्र प्रसाद दांगी,उप सचिव सत्यजीत विद्या अलंकार, मनोरंजन मंत्री डॉ धानेश्वर प्रसाद, मीडिया प्रभारी अवध किशोर कुमार, सह मीडिया प्रभारी उदय मेहता, संगठन मंत्री नरेश कुमार, पेयजल मंत्री शशि कुमार, साफ सफाई मंत्री सुनील कुमार, नारायण महतो,सुरेंद्र महतो, रामसुंदर महतो ,भंडारा मंत्री प्रदीप कुमार, लालमणि महतो, रोहित कुमार, उमेश कुमार मौर्य, पूजा प्रभारी बीगल किशोर महतो आदि मौजूद थे।

गुजरात पुलिस की मेहनत लाई रंग, बुआ के साथ निकली रीना एक माह बाद लौटी गांव

हजारीबाग (एजेंसी) :चौपारण प्रखंड के सुदूरवर्ती पत्थलगड़ा निवासी नाबालिक एक माह से लापता रीना आखिरकार अपने गांव लौट आई।गुजरात पुलिस के प्रयास और लगातार की गई खोजबीन के बाद रीना को गुजरात रेलवे स्टेशन पुलिस के सहयोग से सकुशल बरामद कर लिया गया।सोमवार को वह अपने पिता रंजीत भुइयां एवं माँ के साथ वापस गांव पहुंची तो परिजनों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।पत्थलगड़ा की रहने वाली रीना करीब एक माह पूर्व अपनी बुआ के साथ घर से निकली थी।भला उसे क्या मालूम उसकी बुआ रीना को अपना घर नही ले जाकर कहीं और ले जा रही है।जब रीना के पिता उसके बुआ घर पहुंचे तो वहां नही उसकी बुआ थी और नही रीना मिली।उसके बाद परिवार वाले खोजबीन कर हार चुके थे.इसी बीच अचानक रीना गुजरात से अपनी बहन के पास फोन किया और बतायी की हम गुजरात पुलिस के संरक्षण में है।जब उस नम्बर पर इधर से लोग फोन करने लगे तो उसका मोबाइल ऑफ आबे लगा। दरअसल रीना किसी अन्य व्यक्ति को आपबीती सुनाई थी।उसके उसने ही अपना फोन से घर वालो से बात कराया था।ठीक उसके दूसरे दिन गुजरात पुलिस ने चौपारण पुलिस को इसकी सूचना दिया।पुलिस द्वारा घर वालों को बताया गया की उसकी बेटी रीना कुमारी गुजरात पुलिस के संरक्षण में है।

वन विभाग में आदिवासी महोत्सव का आयोजन, सदियों से वन संपदा का संरक्षण करता रहा है जनजातीय समाज : पीसीसीएफ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची :आदिवासी वन महोत्सव के अवसर पर वन भवन, डोरंडा में प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार की अध्यक्षता में समारोह का आयोजन किया गया।इसमें वन विभाग के लगभग 500 पदाधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आदिवासी समुदायों के वन से पारंपरिक जुड़ाव, उनकी समृद्ध संस्कृति एवं प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की भावना को रेखांकित करना रहा।इस अवसर पर वन भवन परिसर में स्थापित आदिवासी लोक जीवन एवं संस्कृति को प्रदर्शित करने वाली प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र रही।प्रतिमा के माध्यम से आदिवासी समुदाय की पारंपरिक जीवनशैली, लोकनृत्य, वेशभूषा और वनों के साथ उनके गहरे संबंध को दशार्या गया है।यह संदेश दिया गया कि वन केवल वृक्षों और वन्यजीवों का समूह नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, आजीविका और जीवन-पद्धति का अभिन्न हिस्सा हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार ने कहा कि आदिवासी समाज सदियों से वनों के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। प्रकृति के प्रति सम्मान, सीमित संसाधन उपयोग और सामुदायिक भागीदारी जैसी उनकी परंपराएं आज के समय में सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।उन्होंने कहा कि झारखंड की पहचान उसके समृद्ध वन संसाधनों के साथ-साथ उसकी विविध आदिवासी संस्कृति से भी है।वन और आदिवासी संस्कृति एक-दूसरे के पूरक हैं. समारोह में पीसीसीएफ जैव विविधता पार्षद विश्वनाथ शाह, पीसीसीएफ वन्य प्राणी रवि रंजन, मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एसआर नटेश, वन संरक्षक प्रशासन पीआर नायडू, ममता प्रियदर्शी, वन प्रमंडल पदाधिकारी रांची श्रीकांत वर्मा, वन प्रमंडल पदाधिकारी वन्यप्राणी अवनीश चौधरी, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रशासन अजिंक्य बनकर, उप वन संरक्षक वीएस दुबे सहित वन विभाग के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

गया स्टेशन से तीन नाबालिग बच्चे बरामद

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गया की टीम ने सोमवार को ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत कार्रवाई करते हुए गया रेलवे स्टेशन से तीन नाबालिग बच्चों को सुरक्षित बरामद कर रेलवे चाइल्ड हेल्प डेस्क के सुपुर्द किया। सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह ने बताया कि आरपीएफ की टीम स्टेशन क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 6/7 के दिल्ली छोर के पास तीन बच्चे डरे-सहमे अवस्था में मिले। पूछताछ में बच्चों की उम्र करीब 8 से 10 वर्ष बताई गई। बच्चों ने बताया कि वे अपने परिजनों को बिना बताए घर से निकलकर गया स्टेशन आ गए थे। आरपीएफ टीम ने बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू कर पोस्ट पर लाया और काउंसलिंग की। उन्हें खाने के लिए बिस्किट और पीने के लिए पानी दिया गया। सूचना मिलने पर रेलवे चाइल्ड हेल्प डेस्क की केसवर्कर रेखा कुमारी आरपीएफ पोस्ट पहुंचीं। इसके बाद तीनों बच्चों को अग्रिम कार्रवाई के लिए सकुशल रेलवे चाइल्ड हेल्प डेस्क के सुपुर्द कर दिया।

किराना दुकान की आड़ में गांजा का कारोबार, 1.430 किलो गांजा के साथ एक गिरफ्तार

भागलपुर, (एजेंसी) : सिटी एसपी अतुलेश झा ने सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि किराना दुकान की आड़ में गांजा का कारोबार करने वाले आनंद कुमार को पुलिस ने 1.430 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि नशे के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में गोराडीह थाना पुलिस ने किराना दुकान की आड़ में कथित तौर पर अवैध मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से 1 किलो 430 ग्राम गांजा बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि गोराडीह थाना क्षेत्र के कासिमपुर गांव में एक किराना दुकान से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने दुकान पर छापेमारी की। इस दौरान दुकान संचालक आनंद कुमार को 1.430 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बरामद गांजा को जब्त कर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ हॉट-स्पॉट चिन्हित कर लगातार छापेमारी की जा रही है।

सबका सम्मान, जीवन आसान' कार्यक्रम के तहत जिला पदाधिकारी ने सुनी आमजनों की समस्याएं

सहरसा, (एजेंसी) : जिलाधिकारी दीपेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय वेश्म में सेवा संवाद समाधान अनुसरण प्रणाली के अंतर्गत आयोजित सबका सम्मान, जीवन आसान कार्यक्रम में आम नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों की सुनवाई की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को सरकारी सेवाओं तक सहज एवं सरल पहुंच उपलब्ध कराना, उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना तथा प्रशासन एवं जनता के बीच विश्वास एवं संवाद को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से आए नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। आज आयोजित जनसुनवाई में कुल 16 आवेदनों पर सुनवाई की गई तथा सभी मामलों के समयबद्ध निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। सुनवाई के क्रम में रीता देवी सिमरी बख्तियारपुर निवासी, रीना कुमारी सत्तर कटैया सहरसा निवासी, विश्वनाथ सादा बलवाहाट सिमरी बख्तियारपुर निवासी,राम कुमार साह तिवारी, पतरघट निवासी विजल कुमार ठाकुर चैनपुर निवासी एवं अन्य आवेदकों द्वारा भूमि विवाद एवं विभिन्न जन समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए।

प्राप्त आवेदनों के निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी मामलों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम के दौरान अपर समाहर्ता विभागीय जांच गणेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

केन्द्र सरकार की नीतियों के खिलाफ सीपीआईएम का समाहरणालय में प्रदर्शन

अररिया (एजेंसी) : सीपीआईएम के बैनर तले वामपंथी संगठनों ने सोमवार को केन्द्र सरकार की नीतियों के खिलाफ आक्रोशपूर्ण मार्च के बाद समाहरणालय में प्रदर्शन किया।यह प्रदर्शन केंद्रीय श्रमिक संगठनों और केंद्रीय किसान संगठनों के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर आयोजित किया गया था।

कार्यकताओं ने केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की और जनहित से जुड़ी विभिन्न मांगों को उठाया।प्रदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पार्टी कार्यकर्ता, श्रमिक, किसान और समर्थक शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार की आर्थिक एवं जनविरोधी नीतियों पर आक्रोश व्यक्त किया।उनका कहना था कि इन नीतियों का सीधा असर आम लोगों, मजदूरों, किसानों और गरीब तबके पर पड़ रहा है।सीपीआईएम नेताओं ने किसानों और मजदूरों से जुड़े मुद्दों, रोजगार, महंगाई, सामाजिक सुरक्षा तथा आम जनता के हितों से संबंधित मांगों को प्रमुखता से उठाया।उन्होंने केंद्र सरकार से जनहित के मुद्दों पर तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की।

केंद्रीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, पटना में रेल कर्मचारियों का होगा बेहतर इलाज

7 करोड़ से अधिक के आधुनिक चिकित्सा उपकरण लगाए गए

हाजीपुर (एजेंसी) : सोमवार को पूर्व मध्य रेल के केंद्रीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पटना में रेल कर्मचारियों के बेहतर इलाज हेतु महाप्रबंधक श छत्रसाल सिंह एवं पूमरे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता सिंह द्वारा इंडियन रेलवे फाईनेन्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआर-एफसी) द्वारा प्रदत्त रु. 7,28,20,943/- के चिकित्सा उपकरणों का का उद्घाटन किया गया । इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आईआरएफसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज कुमार दूबे, अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ एनके सजीव, चिकित्सा निदेशक डॉ सुबोध कुमार मिश्र सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

इंडियन रेलवे फाईनेन्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा प्रदत्त निधि से लैप्रोस्कोपिक मशीन, ईकोकार्डियो स्कैनिंग मशीन, मल्टीरपैरा कर्डियक मॉनिटर, मोटराईज्डो बेड, सीटीजी मशीन, ओटी टेबल, ईसीजी मशीन जैसे आधुनिक चिकित्सा उपकरण खरीदे गये है। इस अस्पताल में खरीदे गये चिकित्सा उपकरण से ईलाज की गुणवत्तात में काफी सुधार होगा ।इस अवसर पर महाप्रबंधक द्वारा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/आईआरएफसी धन्यवाद दिया इसके साथ ही पीसीएमएम, पीएफए व चिकित्सा निदेशक को सीमित समय में इन मशीनों के खरीद करने के लिए प्रशंसा की। पूमरे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुनिता सिंह ने कहा कि अस्पताल में विशेष अवसरों पर सभी मरीजों को चिकित्सा सहायता दी जा जाती रही है जो निरंतर जारी रहेगी। विशिष्ट अतिथि मनोज कुमार दूबे ने कहा आईआरएफसी के भारत में 52वें स्थान की लाभकारी संगठन है जिसका कुछ अंश कल्याणकारी कार्य में दिया जाता है। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ संध्या किरण, एसीएचडी/सामान्द एवं डॉ ए. के. ओझा, एसीएचडी/एडमिन द्वारा घन्यवाद ज्ञापन किया गया।

मामूली विवाद में युवक पर चाकू से हमला, गला काटने की कोशिश का आरोप

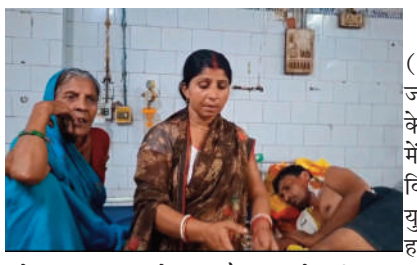

भागलपुर, (एजेंसी) : जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के पुरैनी हरिजन टोला में सोमवार को मामूली विवाद को लेकर एक युवक पर चाकू से हमला कर घायल करने का मामला सामने आया है। घटना में मनीष कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन ने तुरंत 112 नंबर पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल को जगदीशपुर पीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया।घायल की पत्नी गीता देवी के अनुसार एक दिन पहले बच्चों के ठेले पर बैठने को लेकर मनीष का नीरो हरिजन से विवाद हुआ था। बलुआचक हाट के पास दोनों के बीच फिर विवाद हुआ जिसमें मनीष की अंगुली में दांत से काटने का आरोप है। इसके बाद मनीष घर लौट आए। आरोप है कि कुछ देर बाद नीरो हरिजन घर पहुंचा और चाकू से मनीष पर हमला कर दिया। परिजन ने गला काटने की कोशिश का भी आरोप लगाया है। मनीष के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उन्हें बचाया। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल रहा।

जगदीशपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में आवेदन मिला है और पुलिस जांच कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गांधी मैदान में गूंजा देशभक्ति का तरानामा

सुपौल, (एजेंसी) : स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक गांधी मैदान में सशस्त्र सीमा बल , रिक्रूट प्रशिक्षण केंद्र, सुपौल की ओर से जैज बैंड प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

सशस्त्र सीमा बल के रिक्रूट प्रशिक्षण केंद्र के उप महानिरीक्षक विजय सिंह के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में जैज बैंड की मनमोहक प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों में देशभक्ति और उत्साह का संचार किया। जैज बैंड द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओत-प्रोत धुनों से गांधी मैदान का पूरा वातावरण राष्ट्रप्रेम की भावना से सराबोर हो गया। मधुर संगीत और देशभक्ति की धुनों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को भाव-विभोर कर दिया। प्रस्तुति के दौरान दर्शकों ने तालियों से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया और कार्यक्रम का आनंद लिया।

कार्यक्रम में उत्क्रमित हाई स्कूल डभारी, सुपौल की छात्रा लक्ष्मी कुमारी ने भी देशभक्ति गीत की शानदार प्रस्तुति दी। उनकी मधुर एवं भावपूर्ण आवाज ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। छात्रा की प्रस्तुति से कार्यक्रम में देशभक्ति का रंग और गहरा हो गया तथा लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी मनोहर कुमार साहू, वरीय उप समाहर्ता पुष्पा कुमारी, सशस्त्र सीमा बल के उप कमांडेंट, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, बड़ी संख्या में आमजन एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने एसएसबी के जैज बैंड की शानदार प्रस्तुति और छात्रा लक्ष्मी कुमारी द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीत की जमकर सराहना की।

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व आयोजित इस कार्यक्रम ने लोगों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशप्रेम की भावना को और मजबूत किया। गांधी मैदान में जैज बैंड की धुनों के बीच देशभक्ति का ऐसा माहौल बना कि पूरा परिसर राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत नजर आया।

कार्यक्रम ने स्वतंत्रता दिवस के उत्सव की पृष्ठभूमि तैयार करने के साथ आम लोगों को तिरंगे और राष्ट्र के प्रति सम्मान का संदेश भी दिया।

श्रावणी मेला को लेकर गया स्टेशन पर आरपीएफ की बढ़ी चौकसी

सहायक सुरक्षा आयुक्त के नेतृत्व में यात्रियों व कांवड़ियों को लाउड हेलर से किया गया जागरूक

गया जी(एजेंसी) : श्रावणी मेला के अवसर पर यात्रियों और कांवड़ियों की सुरक्षा तथा गया रेलवे स्टेशन परिसर में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सोमवार को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट, गया की ओर से विशेष चेकिंग एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। सहायक सुरक्षा आयुक्त, रेसुब, पूमरे गया श्री संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में आरपीएफ पोस्ट गया के निरीक्षक प्रभारी बनारसी यादव के साथ अधिकारी एवं जवानों ने स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर बनारसी यादव तथा आरपीएफ की टीमअभियान के दौरान गया रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1/सी पर ट्रेन संख्या 13023/13024 हावड़ा-गया एक्सप्रेस के आगमन एवं प्रस्थान के दौरान यात्रियों और कांवड़ियों को लाउड हेलर के माध्यम से सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही गया जंक्शन के विभिन्न प्लेटफॉर्मों तथा गया-नई दिल्ली महाबोधि एक्सप्रेस में भी भीड़ के बीच विशेष अभियान चलाया गया। आरपीएफ ने यात्रियों से अपील की कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति से खाने-पीने की वस्तु स्वीकार नहीं करें और यात्रा के दौरान सतर्क रहें। संदिग्ध वस्तु दिखे तो 139 पर दें सूचना, गेट-पायदान पर यात्रा से बचने की अपीलआरपीएफ ने यात्रियों को यात्रा के दौरान ज्वलनशील पदार्थ जैसे गैस सिलिंडर, स्टोव और केरोसिन तेल आदि साथ नहीं ले जाने की हिदायत दी। किसी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि के दिखाई देने पर तत्काल रेलवे सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर 139 पर सूचना देने की अपील की गई। यात्रियों से उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने तथा ट्रेन के गेट और पायदान पर खड़े होकर यात्रा नहीं करने को कहा गया।

विशेष चेकिंग के दौरान एसी कोचों में यात्रा कर रहे कुछ कांवड़ियों को भी समझाया गया। वाणिज्यिक विभाग और आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई के तहत एसी कोच को खाली कराया गया, ताकि आरक्षित श्रेणी के यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

आरपीएफ ने यात्रियों को अनावश्यक चैन पुलिंग नहीं करने की भी चेतावनी दी। बताया गया कि बिना उचित कारण चैन पुलिंग करने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने हावड़ा-गया एक्सप्रेस को गया रेलवे स्टेशन से सुरक्षित रवाना कराया। श्रावणी मेला के दौरान स्टेशन एवं ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर आरपीएफ द्वारा इस तरह के विशेष अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस के सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर हर घर तिरंगा थीम पर हुआ ऑडिशन

अररिया, (एजेंसी) : हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला प्रशासन की ओर से खेल भवन-सह-व्यायामशाला में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए सोमवार को ऑडिशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ऑडिशन में जिले के विभिन्न कोटि के विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा थीम पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसी कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागियों के चयन के लिए समूह नृत्य एवं समूह गायन सहित विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं का ऑडिशन कराया गया।

इस संबंध में जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी सनियाल कुमार ने बताया कि जिले के सभी कोटि के विद्यालयों से छात्र-छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं संबंधित शिक्षण संस्थानों को अपने संस्थान से किसी एक विधा में छात्र-छात्राओं की प्रतिभागिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। ऑडिशन में चयनित प्रतिभागियों को ही स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर जिले के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को अपनी कला एवं प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना तथा उनमें देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को और मजबूत करना है।

पटना में आयोजित दधीचि देहदान समिति के पंचम अधिवेशन में अररिया जिला के प्रदर्शन की सराहना

अररिया (एजेंसी) : दधीचि देहदान समिति के चतुर्थ पंचम अधिवेशन का आयोजन रविवार को पटना में हुआ,जिसमें मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत असम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य, सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, समिति के प्रदेश प्रधान महासचिव पद्मश्री डॉ. विमल जैन, पद्मश्री निलेश मांडेवाल, मेयर सीता साहू, भाजपा के संगठन प्रभारी भीखू भाई, डॉ. सुवास प्रसाद, विधायक संजीव चौरसिया सहित दर्जनों गणमान्य लोग शामिल हुए।

अधिवेशन में दधीचि देहदान समिति की अररिया जिला इकाई की ओर से काफी कम समय में मृत्योपरांत परिजनों की सहमति से 27 नेत्रदान कराए जाने की कार्य की प्रशंसा की गई और अन्य जिला इकाइयों को भी जागरूकता के साथ देहदान को लेकर किए जा रहे कार्यों को लेकर प्रेरणा लेने पर बल दिया गया।

अधिवेशन में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि दधीचि देहदान समिति द्वारा समाजसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य सराहनीय हैं। समिति की सेवाओं को देखते हुए राज्य के सभी अनुमंडल एवं जिला स्तरीय अस्पतालों में उसे सहयोगी संस्था के रूप में जोड़ा जाएगा।

पटना में आयोजित कार्यक्रम में फारबिसगंज के समिति के स्थानीय संरक्षक विनोद सरावगी, शाहजहां शाद, कमलेश अग्रवाल एवं अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

अधिवेशन में अररिया शाखा के जिलाध्यक्ष अजातशत्रु अग्रवाल ने समिति की ओर से किए जा रहे जनसेवा कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फारबिसगंज में अब तक 27 नेत्रदान कराए जा चुके हैं। साथ ही बिहार सरकार द्वारा टीबी मरीजों को पोषण किट उपलब्ध कराने की योजना के तहत अनुमंडल पदाधिकारी अभय कुमार तिवारी की पहल पर दधीचि देहदान समिति द्वारा पांच टीबी मरीजों को गोद लेकर आगामी छह माह तक पोषण किट उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।

अधिवेशन के दौरान अजातशत्रु अग्रवाल ने समिति के प्रदेश प्रधान महासचिव पद्मश्री डॉ. विमल जैन के माध्यम से मुख्यमंत्री को फारबिसगंज स्थित स्थानीय लायंस नेत्रालय में कॉर्निया संग्रह की व्यवस्था कराने की अनुमति प्रदान करने के संबंध में एक ज्ञापन भी सौंपा। इसके साथ ही 15 नए लोगों ने मरणोपरांत नेत्रदान का संकल्प पत्र भी समर्पित किया।

जानकारी अररिया जिलाध्यक्ष अजातशत्रु अग्रवाल ने अपने संरक्षक विनोद सरावगी, समिति के कोषाध्यक्ष इंजीनियर आयुष अग्रवाल, सह संरक्षक कमलेश अग्रवाल एवं जदयू के अररिया जिला अध्यक्ष पवन मिश्रा के साथ पटना से लौटने के बाद पत्रकारों को दी।

संपादकीय

झारखंड का छात्र आंदोलन : सोरेन के निशाने पर भाजपा?

झारखंड में पिछले कई दिनों से चल रहा छात्र आंदोलन अब केवल भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पारदर्शिता की मांग तक सीमित नहीं रह गया है। आंदोलन के बीच जिस तरह भाजपा और सत्तारूढ़ गठबंधन की राजनीतिक सक्रियता सामने आई है, उसने इसे एक बड़े राजनीतिक विमर्श में बदल दिया है। मौजूदा घटनाक्रम को देखें तो ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आंदोलन को राजनीतिक रूप से भाजपा के प्रभाव से दूर रखने की रणनीति अपनाई है।

दिल्ली में छात्र आंदोलनों के दौरान केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर देशभर में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। आंदोलनकारियों पर आंसू गैस, लाठीचार्ज और अन्य बल प्रयोग के आरोप लगे थे। भाजपा ने उस समय छात्र आंदोलनों में राजनीतिक दलों की भूमिका पर सवाल उठाए थे। झारखंड में मौजूदा छात्र आंदोलन के दौरान भाजपा की सक्रियता को इसी राजनीतिक संदर्भ में देखा जा रहा है।

रांची में छात्र आंदोलन शुरू होते ही भाजपा नेताओं और समर्थक संगठनों की सक्रियता बढ़ी। राष्ट्रीय मीडिया के एक हिस्से में आंदोलन को मिली प्रमुखता ने भी राजनीतिक हलकों में बहस को तेज किया। सत्तारूढ़ गठबंधन को आशंका रही कि भाजपा छात्र आंदोलन के माध्यम से सरकार के खिलाफ बड़ा राजनीतिक अभियान खड़ा कर सकती है।

संवाद के रास्ते खुले रखे

हेमंत सोरेन सरकार ने आंदोलन को दबाने के बजाय बातचीत का रास्ता अपनाया। छात्र नेताओं के साथ लगातार वार्ता की गई और उनकी मांगों पर चरणबद्ध तरीके से निर्णय लेने की कोशिश हुई। सरकार ने जांच के लिए समिति गठित की और मंत्रियों की एक समिति के माध्यम से आंदोलनकारी छात्रों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद जारी रखा।

सरकार की रणनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि आंदोलन को तत्काल समाप्त कराने के बजाय छात्रों के साथ बातचीत जारी रखी गई। इससे आंदोलन अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण बना रहा और भाजपा के लिए आंदोलन के मंच पर सीधे राजनीतिक हस्तक्षेप की गुंजाइश सीमित हुई।

हालांकि, छात्रों के बीच नेतृत्व को लेकर एकरूपता नहीं रही। देवेंद्र महतो, पीयूष कुमार और विधायक जयराम महतो से जुड़े अलग-अलग गुटों की अपनी-अपनी भूमिका रही। छात्र नेता नेहा बोरा भी आंदोलन में सक्रिय रही हैं और भाजपा तथा संघ परिवार पर राजनीतिक हमले करती रही हैं। इस तरह आंदोलन के भीतर अलग-अलग राजनीतिक रुझान स्पष्ट दिखाई देते हैं।

दीपक के प्रकाश की तरह अच्छे काम की ख्याति भी चारों ओर फैलती है।
: विलियम शेक्सपियर

आशा कभी आपको छोड़कर नहीं जाती है, आप इसे छोड़ते है।
: जॉर्ज वीनवर्ग

नैनीताल का रोप-वे, अंग्रेजों ने 139 पहले बना ली थी योजना

अंग्रेजों के प्रकृति प्रेम एवं औपनिवेशिक शासकों की तात्कालिक आवश्यकताओं के चलते आज से करीब 183 साल पहले 1843 में कुछ यूरोपीय नागरिकों की स्वतंत्र पहल से नैनीताल नामक नगर की बसावट शुरू हुई। नैनीताल को एक आदर्श हिल स्टेशन के रूप में आबाद और विकसित करने के पीछे अंग्रेजों का प्रकृति प्रेम के साथ लालच भी था और जरूरत भी। इसमें कोई दो राय नहीं कि नैनीताल के प्रति अंग्रेजों के मन में एक विशेष आत्मीयता का भाव था। आत्मीयता के इस रिश्ते को उन्होंने नैनीताल के साथ ईमानदारी से निभाया भी।

नैनीताल को अंग्रेजों ने एक निश्चित जनसंख्या के लिए बसाया। इसी के मद्देनजर यहाँ आधारभूत सुविधाओं का ढाँचा खड़ा किया गया था। 1890 के आसपास जब नैनीताल की ग्रीष्मकालीन आबादी तकरीबन दस हजार के आसपास थी,तभी से यहाँ की भार वहन क्षमता का आकलन किए जाने की बात होने लगी थी। तत्कालीन अनेक ब्रिटिश अधिकारियों का कहना था कि नैनीताल अति मनुष्यों से भर गया है। लिहाजा यहाँ आबादी का और अधिक बोझ डाला जाना अनुचित है। अंग्रेज नैनीताल के भंगुर पर्यावरण से बखूबी वाकिफ थे। उनकी हरेक योजनाएं दीर्घकालिक नजरिए से बनती थीं। अंग्रेजों ने आज से 139 साल पहले नैनीताल को रोप -वे से जोड़ने के बारे में सोच लिया था। इसके लिए बाकायदा रोप -वे की योजना को स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई थी।

प्रारंभिक काल में नैनीताल आने-जाने के लिए सबसे बड़ी समस्या रास्तों की थी। प्रारंभिक दौर में बरेली से बाजपुर होते हुए कालाढूंगी पहुँचा जाता था, वहाँ से निहाल नदी के किनारे- किनारे खुपार्ताल होते हुए नैनीताल। शुरूआत में यह पूरी यात्रा पैदल ही तय करनी पड़ती थी। 1847 में निहाल पुल से खुपार्ताल होते हुए नैनीताल तक अश्व मार्ग बना दिया गया था। फिर पुरुषों के लिए घोड़े और महिलाओं एवं बच्चों के लिए डांडी से यात्रा करना संभव हो गया था। 1884 में काठगोदाम तक रेल पहुँचने के बाद 1885 में काठगोदाम से ब्रेवरी तक सड़क बनाई गई। इसके बाद ब्रेवरी तक तांगे आने लगे थे। ब्रेवरी से नैनीताल आने के लिए घोड़े, डांडी और पालकी या फिर पैदल एकमात्र यातायात के साधन थे। ब्रिटिश साम्राज्य में भारत के सर्वशक्तिमान आका समझे जाने वाले अविभाजित भारत के वॉयसराय और नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर से लेकर ब्रिटिश सेना और शासन के सभी आला अफसरान घोड़े की सवारी कर ही नैनीताल आते-जाते थे। 1893 में नैनीताल में तांगे आने लगे थे।

टांगों द्वारा यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो जाने के बावजूद अभी भी नैनीताल में आवागमन बहुत आसान नहीं था। स्थानीय मौसमियत का आवागमन पर सीधा असर पड़ता था।बरसात और ठंड के दिनों में नैनीताल की आवाजाही बेहद जोखिम भरी, श्रमसाध्य एवं तकलीफदेह होती थी। बरसात में भू -धंसाव की घटनाएं बढ़ जाती थीं, जिससे आवागमन प्रभावित होता था। अगर मौसम अनुकूल भी हो तो भी नैनीताल आने -जाने में बहुत समय लगता था। आवागमन की इस समस्या से निजात पाने के लिए मई,1887 में मिस्टर हन्ना नामक एक अंग्रेज ने यातायात और सामान लाने, ले जाने के लिए नैनीताल से कालाढूंगी की ओर तीन हजार फीट लंबे रोप-वे के निर्माण का सुझाव दिया। ब्रिटिश प्रशासन ने इस प्रस्ताव पर अपनी सैद्धांतिक सहमति दे दी। इस कार्य को संपादित करने के लिए 1888 के प्रारंभिक दिनों में नैनीताल रोप -वे कंपनी लिमिटेड बन गई। अगस्त,1888 में मिस्टर हन्ना ने रोप-वे के लिए 9900 रुपये की शुरूआती योजना बना ली थी। मिस्टर हन्ना की रोप-वे की इस योजना का नैनीताल नगर पालिका की सार्वजनिक निर्माण समिति ने व्यवहारिक पक्षों का अध्ययन किया। तब इस समिति में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता भी सदस्य होते थे। योजना के सभी पक्षों की जाँच-परख के बाद नगर पालिका की सार्वजनिक निर्माण समिति ने इस योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी। 8 अक्टूबर, 1888 को नगर पालिका कमेटी की बैठक में भी इस योजना को स्वीकृति दे दी गई। अंतिम स्वीकृति के लिए योजना को कुमाऊँ के वरिष्ठ सहायक कमिश्नर को भेज दिया गया। प्रस्तावित रोप -वे के तार स्लीपी हॉल एवं लौंगडेल से होते हुए जाने थे। 30 नवंबर, 1888 को नगर पालिका, नैनीताल के तत्कालीन उपाध्यक्ष जे. ओकशॉट ने कुमाऊँ के वरिष्ठ सहायक आयुक्त को रोप-वे के तारों को ले जाने के लिए स्लीपी हॉल और लौंगडेल की जमीन के निश्चित हिस्सों को अनिवार्य अधिग्रहण एक्ट-७-1870 की धारा -12 के अंतर्गत 650 रुपये में अधिगृहित करने का प्रस्ताव भेजा।

इधर नगर पालिका ने मिस्टर हन्ना से कहा कि वे इस योजना का ठेका दस हजार रुपये में खुद ही ले लें। नगर पालिका ने मिस्टर हन्ना को योजना की लागत राशि का अग्रिम भुगतान करने की भी पेशकश कर दी। मिस्टर हन्ना की सहमति के बाद नगर पालिका ने रोप -वे योजना का दस हजार रुपये का टेंडर उनके नाम स्वीकृत कर दिया था। नगर पालिका का तर्क था कि दार्जिलिंग में दस हजार रुपये की लागत से एक हजार फीट लंबी रोप- वे लाइन डाली गई है, जबकि मिस्टर हन्ना उतनी ही राशि में तीन हजार फीट लंबी रोप-वे बनाने जा रहे हैं। वह भी बिना अग्रिम भुगतान के।

नगर पालिका ने रोप -वे योजना के लिए सरकार से नारायण नगर, चोरखेत और सडियाताल में जमीन माँगी। इसी दरम्यान पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता एफ.बी.हेंसलोव ने मिस्टर हन्ना की रोप-वे योजना पर अपनी विस्तृत आख्या दी थी।

अभी यह प्रस्ताव कुमाऊँ के वरिष्ठ सहायक आयुक्त के विचाराधीन था। प्रस्ताव के अनुमोदन के बाद जमीन पर काम शुरू हो पाता कि 6 मई,1888 को हरमिटेज, स्लीपी हॉल और क्रेग कॉटेज के तत्कालीन स्वामी कर्नल डब्ल्यू. बैरन और लौंगडेल के तत्कालीन मालिक कुंवर रणजीत सिंह ने इस योजना पर अपनी आपत्ति दर्ज करा दी। कर्नल डब्ल्यू. बैरन का कहना था कि उन्होंने हाल ही में हरमिटेज को दोमंजिला किया है। प्रस्तावित रोप-वे उनके बरामदे से दृष्टिगोचर होगी,जिससे उनकी निजता भंग होने की आशंका है। कर्नल बैरन ने अपने पत्र में लिखा कि नैनीताल के बड़े फायदे के लिए उनकी संपत्ति को नुकसान पहुँचाना उचित नहीं है। इस मामले में लंबी लिखा-पढ़ी हुई। अंततः यह मामला नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर तक जा पहुँचा। प्रोविंसेज के गवर्नर ने कर्नल डब्ल्यू. बैरन और कुंवर रणजीत सिंह की आपत्तियों का संज्ञान लिया। इस बारे में नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज एंड अवध के सचिव आर. स्मीटन ने 18 मई, 1888 को कुमाऊँ के कमिश्नर को पत्र भेजा। पत्र में कहा गया कि लेफ्टिनेंट गवर्नर किसी भी नागरिक के निजी अधिकारों के हनन के पक्ष में नहीं हैं। कर्नल डब्ल्यू. बैरन और कुंवर रणजीत सिंह की आपत्तियों के मद्देनजर रोप -वे के लिए वैकल्पिक मार्ग खोजा जाए। जिसमें किसी की निजी भूमि नहीं आ रही हो या किसी को भी कम से कम नुकसान हो। इसके बाद रोप -वे की यह योजना हवा में ही अटक कर रह गई। 1947 में अंग्रेज अपने वतन लौट गए। भारत आजाद हो गया। आजादी के 79 साल बीत जाने के बावजूद नैनीताल को रोप-वे से जोड़ने की दिशा में आज तक कोई ठोस पहल नहीं हुई।

जब नैनीताल में यातायात के वैकल्पिक व्यवस्थाएं खोजने का यह मुआमला चल रहा था, तब यहाँ यांत्रिक यातायात की शुरूआत नहीं हुई थी। नैनीताल गाड़ियों की भीड़ -भाड़ और शोरगुल से निरापद था। आज जबकि नैनीताल के हरेक हिस्से में गाड़ियां बिछ-सी गईं हैं। रोज-ब-रोज गाड़ियों का तांता बढ़ता ही चला जा रहा है। नगर के पैदल रास्ते भी छोटी-बड़ी गाडियों की भीड़ से अछूते नहीं हैं। नगर की सड़कों में क्षमता से कई गुना अधिक दोपहिया और चौपहिया वाहन दौड़ रहे हैं। अनियंत्रित यातायात के चलते आम लोगों का पैदल चल पाना दुष्कर हो गया है। अंधाधुंध यांत्रिक यातायात के कारण यहाँ वायु और ध्वनि प्रदूषण में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है।

आजाद भारत के आधुनिक योजनाकार क्षमता से कई गुना अधिक गाड़ियों की इस जानलेवा भीड़ पर प्रभावी अंकुश लगाने की जुगत लगाने के बजाय इस समस्या का समाधान पार्किंग सुविधा बढ़ाने में खोज रहे हैं। जब नगर में निश्चित संख्या से अधिक गाड़ियों के चलने के लिए जगह ही नहीं है तो पार्किंग सुविधा बढ़ाने से क्या लाभ होगा? इस प्रश्न का उत्तर किसी के पास नहीं है। नैनीताल नगर में क्षमता से अधिक वाहनों के रेंगने से रोकने के लिए दीर्घकालिक हल खोजने की जरूरत है। ताकि यहाँ के पर्यावरण और मौसमियत,दोनों की हिफाजत हो सके।

प्रयाग पाण्डे

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

इलाज के बाद बची बीमारी: अस्पतालों के नीचे दफन होता भविष्य

कूड़े का कोई टुकड़ा सिर्फ कूड़ा नहीं, खासकर जब वह अस्पताल से निकला हो। उसे जमीन में दबाने से खतरा खत्म नहीं होता; वह मिट्टी और पानी के रास्ते इंसानी जिंदगी तक पहुंच सकता है। मेडिकल कचरे के गलत निपटान पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की सख्ती ने स्वास्थ्य व्यवस्था की अनदेखी उजागर की है। सत्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 9,178 स्वास्थ्य सुविधाओं की जांच में केवल 5,715 नियमों के अनुरूप मिलीं। बाकी में भूजल सुरक्षा की अनदेखी, जरूरी अनुमति का अभाव, गलत जगह गड्ढे और जानवरों की पहुंच रोकने में लापरवाही मिली। जिस अस्पताल में बीमारी का इलाज होता है, वहीं संक्रमित कचरे का गलत निपटान इलाज और प्रदूषण की सीमा मिटा देता है। सवाल सिर्फ कचरे का नहीं, मिट्टी, पानी और उन परिवारों की जिंदगी का है, जो इसकी कीमत चुका सकते हैं।

धरती के गर्भ में दबा कचरा आंखों से ओझल हो सकता है, असर नहीं। संक्रमित कचरा भूजल तक न पहुंचे, इसलिए गहरे गड्ढे में दफन की प्रक्रिया के नियम कड़े हैं। जहां साझा जैव-चिकित्सा कचरा उपचार सुविधा नहीं है, वहां दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में तय शर्तों पर गहरे गड्ढे में दफन की अनुमति है। गड्ढे जलस्रोतों और आबादी से सुरक्षित दूरी पर हों, भूजल स्तर गड्ढे के निचले हिस्से से कम से कम छह मीटर नीचे हो, कचरे को मिट्टी और चूने से ढकना तथा जानवरों की पहुंच रोकना जरूरी है। लेकिन नियमों की ताकत उनके पालन में है। सुविधा के नाम पर छोटी-सी लापरवाही प्रकृति के लिए वर्षों का संकट बन सकती है।

जब आंकड़े जमीन पर उतरते हैं, वे सिर्फ संख्या नहीं रहते, किसी की जिंदगी का खतरा बन जाते हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जांच में 477 सुविधाओं में भूजल सुरक्षा उल्लंघन मिले। 341 के पास जरूरी अनुमति नहीं थी और 316 में स्थल चयन तय मानकों के अनुरूप नहीं मिला। 253 जगह अभिलेख रखने में लापरवाही, 229 स्थानों पर जानवरों की पहुंच रोकने की व्यवस्था नहीं थी और 216 जगह कचरे को पर्याप्त मिट्टी से ढकने में कमी मिली। उत्तर प्रदेश की 111 और राजस्थान की 33 स्वास्थ्य सुविधाओं में पूर्ण गैर-अनुपालन दर्ज हुआ। इन आंकड़ों को गांव के नक्शे पर रखें तो तस्वीर बदल जाती है। कहीं वह कुआं हो सकता है, जहां से परिवार पानी भरता है; कहीं वह खेत, जहां अगली फसल बोई जानी है।

खतरा अस्पताल से निकलते ही खत्म नहीं होता, कई बार कचरे के साथ शुरू होता है। चिंता केवल नियम टूटने की नहीं, बल्कि नियम टूटने पर भी व्यवस्था चलते रहने की है। चिकित्सकीय कचरे का खतरा मात्रा से अधिक उसकी प्रकृति में है। संक्रमित सामग्री, शरीर के अवशेष और रक्त या जैविक द्रव से सनी वस्तुओं का सुरक्षित उपचार जरूरी है। ऐसे कचरे तक पशु पहुंचें या भूजल से संपर्क हो, तो संक्रमण अस्पताल से बाहर फैल सकता है। इसलिए चिकित्सकीय कचरा केवल पर्यावरण मंत्रालय या प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य का प्रश्न है। अस्पताल की स्वच्छता शल्य कक्ष में नहीं, कचरे के अंतिम पड़ाव पर परखी जाती है।

दुर्गम पहाड़ और लंबी दूरियां कठिनाई हो सकती हैं, जिम्मेदारी से मुक्ति का कारण नहीं। पूर्वोत्तर राज्यों, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में दुर्गम भूभाग, कम आबादी और परिवहन कठिनाइयां साझा उपचार संयंत्रों की पहुंच सीमित करती हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दस्तावेजों में ऐसे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का उल्लेख है, जहां साझा जैव-चिकित्सा कचरा उपचार सुविधाएं पूरी नहीं हैं और दूरस्थ स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय उपचार, जिसमें गहरे गड्ढे में दफन शामिल है, पर निर्भर हैं। कुछ क्षेत्रों में साझा उपचार संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। मगर समाधान दूरस्थ क्षेत्रों को नियमों से मुक्त करना नहीं, वहां नियमों के पालन की तकनीकी और आर्थिक क्षमता पहुंचाना है।

अब सवाल आदेश जारी होने का नहीं, आठ सप्ताह में बदलाव दिखने का है। एनजीटी ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जैव-चिकित्सा कचरा निपटान के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। पालन न होने पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 5 के तहत कठोर निर्देश दिए जा सकते हैं और अगली सुनवाई 28 अक्टूबर को है। लेकिन अदालत की समयसीमा को नई रिपोर्ट बनाने की अवधि बना देना इस संकट के साथ अन्याय होगा। हर उल्लंघनकारी सुविधा की दोबारा जांच हो, जिम्मेदारी तय हो, पुराने दफन गड्ढों का लेखा बने, भूजल जांच हो और सुधार का स्वतंत्र सत्यापन किया जाए। केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को कागजी निरीक्षण से आगे बढ़कर सुनिश्चित करना होगा कि जिसे ह्यअनुपालनह्ण बताया जा रहा है, वहां जमीन भी वही सच बयान करे।

किसी समाज की असली पहचान इस बात से होती है कि वह अपनी सुविधा की कीमत किसे चुकाने देता है। हम ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था नहीं बना सकते जो मरीज को बचाकर उसके आसपास की मिट्टी और पानी को खतरे में डाल दे। राज्यों को नियमित निरीक्षण, प्रशिक्षित कर्मचारी, पारदर्शी अभिलेख, आधुनिक उपचार सुविधाएं और साझा जैव-चिकित्सा कचरा उपचार केंद्रों का विस्तार करना होगा। जहां गहरे गड्ढे में दफन करना अपरिहार्य है, वहां हर शर्त अक्षरशः लागू हो; जहां साझा उपचार केंद्र उपलब्ध है, वहां जोखिमपूर्ण कचरे को गड्ढे में दफन करने की गुंजाइश ही क्यों रहे? धरती तुरंत शिकायत नहीं करती, पानी भी कोई मुकदमा दर्ज नहीं कराता। लेकिन प्रदूषण का हिसाब पीढ़ियों तक चलता है। इसलिए अब चिकित्सकीय कचरे को छिपाना नहीं, उसकी पूरी यात्रा को जवाबदेह बनाना होगा–अस्पताल के द्वार से अंतिम उपचार तक। क्योंकि बीमारी से लड़ने वाला अस्पताल यदि अपनी ही छाया में बीमारी दफना रहा है, तो सवाल सिर्फ गड्ढे की गहराई का नहीं, हमारी जिम्मेदारी की गहराई का है।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7600

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7599 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

दैनिक पंचांग

11 अगस्त को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.05 बजे से
चंद्र	कर्क में	कन्या	08.17 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.27 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.42 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	14.58 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.03 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.50 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.22 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.53 बजे से
राहुकाल		वृष	23.33 बजे से
3.00 से 4.30		मिथुन	01.31 बजे से
बजे तक		कर्क	03.45 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 223 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 01.54 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु 10.10 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 18.52 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 15.23 बजे तदनन्तर शकुनि 01.54 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 19'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872798
जूलियन दिन 2461263.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर **तारीख** 27
विशेष मासिक शिवरात्रि, मंगला गौरी व्रत, खुदीराम बोस शहीद दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

तरक्की की इबारतों के तले दम तोड़ रहीं मानवीय रिश्तों की संवेदनाएं

हाल ही में सुर्खियों में रहे एक घटनाक्रम ने भारतीय समाज में पारिवारिक रिश्तों में आ रही गिरावट और नैतिक पतन की नंगी सच्चाई को उजागर कर दिया है। मां-बाप अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के भविष्य को संवारने में लगा देते हैं। उनकी हर खुशी, हर सपना और हर जरूरत को अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। लेकिन हरियाणा के सोनीपत से सामने आई एक घटना ने ऐसे ही रिश्तों पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां एक 74 वर्षीय बुजुर्ग पिता अपनी आखिरी सांस तक बेटियों का इंतजार करते रहे, मगर उनकी यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। इतना ही नहीं, उनकी अंतिम विदाई में तीन संपन्न शिक्षित प्रोफेशनल बेटियों में से कोई एक बेटी भी शामिल नहीं हुई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों को भीतर तक झकझोर रहा है। शिवचरण रामरतन गुप्ता मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले थे. सोनीपत के ककरोई गांव में उनके कुछ रिश्तेदार रहते थे, इसलिए वह वहां पहुंचे और फिर साल 2024 में अपना घर आश्रम में रहने की इच्छा जताई. उन्होंने बताया था कि कपड़ों के कारोबार में बड़ा नुकसान होने के बाद वह आर्थिक और पारिवारिक परेशानियों से जूझ रहे थे. इसके बाद आश्रम ने उन्हें रहने की अनुमति दे दी.कुछ समय बाद शिवचरण अपनी पत्नी मीना गुप्ता को भी आश्रम लेकर आए. मीना गुप्ता पारिवारिक कारणों से मानसिक तनाव में थीं और कपड़ों का कारोबार बंद होने के बाद उनकी परेशानी और बढ़ गई थी. दोनों पति-पत्नी आश्रम में साथ रहने लगे. 12 अक्टूबर 2024 को आश्रम में ही मीना गुप्ता का निधन हो गया. आश्रम प्रबंधन ने तीनों बेटियों को इसकी सूचना दी, लेकिन कोई भी अंतिम संस्कार में नहीं पहुंची. इसके बाद शिवचरण ने आश्रम के कर्मचारियों के साथ मिलकर पत्नी का अंतिम संस्कार किया और बाद में हरिद्वार जाकर उनकी अस्थियों का विसर्जन भी किया था। सारिका कालरा ने बताया कि शिवचरण अपनी तीनों बेटियों से बेहद प्यार करते थे. उनकी तीन बेटियां थीं. एक नेपाल में रहती थी, एक सूरत में और एक उत्तर प्रदेश में. दो बेटियां शिक्षिका थीं, जबकि एक एचडीएफसी बैंक में नौकरी करती थी. शिवचरण दिन में दो से तीन बार बेटियों से वीडियो कॉल पर बात करते थे. वह उनकी हर छोटी-बड़ी बात साझा करते थे और हमेशा चाहते थे कि परिवार फिर से एकजुट हो जाए.शिवचरण का सपना था कि वह एक बार फिर कपड़ों का कारोबार शुरू करें. वह अक्सर आश्रम में कहते थे कि अगर थोड़ा सहारा मिल जाए तो वह एक छोटी कपड़ों की दुकान खोलना चाहते हैं। 12 मार्च 2026 को शिवचरण आश्रम से यह कहकर गए कि उन्हें दिल्ली में किसी से पैसे लेने हैं, अपनी कुछ संपत्तियों का निपटारा करना है और उसके बाद वह वापस लौटकर सोनीपत में छोटी कपड़ों की दुकान शुरू करेंगे. बाद में आश्रम प्रबंधन को जानकारी मिली कि वह किसी दूसरे आश्रम में रहने लगे हैं. सारिका कालरा ने उनसे संपर्क करने की कोशिश भी की, लेकिन बात नहीं हो सकी.इस बीच शिवचरण की तबीयत बिगड़ गई. आश्रम प्रबंधन के अनुसार, उनकी बीमारी की जानकारी करीब 20 दिन पहले तीनों बेटियों को दी गई थी. चार दिन पहले भी उन्हें बताया गया कि उनके पिता बीमार हैं और उनसे मिलना चाहते हैं. इसके बावजूद कोई भी बेटी उनसे मिलने नहीं पहुंची.

28 जुलाई को देर रात शिवचरण रामरतन गुप्ता का निधन हो गया. इसके बाद एक बार फिर तीनों बेटियों को सूचना दी गई और अंतिम संस्कार में आने का आग्रह किया गया. लेकिन उन्होंने दूरी और समय का हवाला देते हुए आने में असमर्थता जताई. बड़ी बेटी अनीता, जो नेपाल में शिक्षिका हैं, ने ऑनलाइन 5100 रुपये भेजे और पिता का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार करने का अनुरोध किया.

आश्रम प्रबंधन के अनुसार, तीनों बेटियों ने वीडियो कॉल पर पिता की अंतिम विदाई देखी. बाद में उन्होंने अंतिम संस्कार का वीडियो भी मांगा और अस्थि विसर्जन के बारे में जानकारी ली. बेटियों ने कहा कि वे दूर हैं, इसलिए अस्थियों का विसर्जन भी आश्रम प्रबंधन ही कर दे. हालांकि, आश्रम ने उनके भेजे 5100 रुपये वापस लौटा दिए और अपने स्तर पर अंतिम संस्कार की पूरी व्यवस्था की.इससे पहले हाल ही में नोएडा (उत्तर प्रदेश) से सामने आई है, जहाँ एक फ्लैट में अकेले रह रहे 68 वर्षीय वृद्ध पिता का शव सोफे पर पड़ा हुआ मिला। इस बुजुर्ग व्यक्ति का अपनी पत्नी से तलाक हो चुका था और उनके बच्चे विदेश (बेटा लंदन में इंजीनियर और बेटी बाली में) सेटल हैं।पड़ोसियों को जब फ्लैट से तेज बदबू आई, तब उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मुताबिक, अत्यधिक सड़ने के कारण शव लगभग कंकाल में तब्दील होने की स्थिति में पहुँच चुका था।यह अकेली घटना नहीं है; आधुनिक समाज में बुजुर्गों के अकेलेपन और उपेक्षा की कई दर्दनाक कहानियाँ लगातार सामने आ रही हैं:बुजुर्गों के अकेलेपन से जुड़ी अन्य हालिया घटनाएँ दिल दहलाने के साथ ही खून के रिश्तों में प्यार विश्वास आस्था और संवेदनशीलता के पतन का है। बेंगलुरु मामला अगस्त 2026 में भी इस तरह की घटना सामने आई है एक 52 वर्षीय महिला (दाक्षायणी) का कंकाल उनके ही घर से मिला। पति और बेटे की मौत के बाद वे अवसाद में थीं और करीब एक साल तक किसी को उनकी मौत की भनक नहीं लगी।इंदौर मामला फरवरी 2026 का है जब एक घर से माता-पिता के सड़े हुए शव मिले, जबकि उनका बेटा अमेरिका में ₹90 लाख के पैकेज पर काम कर रहा था और उसने लंबे समय से कोई संपर्क नहीं किया था।मुंबई में साल 2017 में भी मुंबई के ओशिवारा में ऐसा ही मामला हुआ था, जहाँ अमेरिका से लौटे एक आप्रवासी बेटे ने जब फ्लैट का दरवाजा खोला, तो सोफे/बेड पर उसकी माँ का कंकाल पड़ा मिला था।आज विशेषकर एलीट सोसाइटी प्रगतिशीलता आधुनिकता और तेज आर्थिक विकास के जिस दौर को अंगीकार कर भविष्य उज्जवल की कल्पना कर रही है उसके भीतर यह रिश्तों के नैसर्गिक नैतिक भावनात्मक पतन की एक नंगी सच्चाई सामने ला रही है,क्या मानवीय मूल्यों सद्गुणों नैतिकता संस्कृति सभ्यता की आदर्श बातें सिर्फ धर्मग्रंथों की उक्तियों में ही सिमट जाएंगे? पिछले एक दो दशकों में भारतीय मध्यम वर्गीय समाज ने तरक्की के नाम पर बहुत सुख सुविधा विदेश में नौकरी रोजगार हासिल किया है शिक्षा, रोजगार और बेहतर जीवन की तलाश में युवा पीढ़ी का महानगरों और दूसरे देशों की ओर पलायन अब सामान्य प्रक्रिया बन चुका है।

मनोज कुमार अग्रवाल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में भारी बारिश से कई इलाकों में भूस्खलन, प्रमुख राजमार्गों पर यातायात प्रभावित

काठमांडू। नेपाल में भारी बारिश के कारण देश के कई हिस्सों में भूस्खलन होने के साथ सड़क अवरुद्ध हो गई हैं। इस वजह से प्रमुख राजमार्गों और सड़क खंडों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। पुलिस के अनुसार, आज सुबह ९ बजे तक काभ्रेपलाञ्चोक, सिन्धुपाल्चोक, इलाम, रसुवा, पश्चिम रुकुम और लमजुंग में भूस्खलन, मलबा गिरने, नदी के कटाव और मलबे के कारण सड़कें प्रभावित हुई हैं। काभ्रेपलाञ्चोक में आज सुबह भूस्खलन के बाद बीपी राजमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। बाढ़ के जोखिम को कम करने के लिए राजमार्ग पर शाम ५ बजे से सुबह ५ बजे तक वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित की गई है। इस दौरान केवल दिन में यातायात की अनुमति दी जा रही है। इलाम नगरपालिका में मलबा गिरने के कारण मेची राजमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने यात्रियों से वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की अपील की है। सिन्धुपाल्चोक जिले में अरनिको राजमार्ग के कई हिस्से भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हैं, जिससे कई नगरपालिकाओं में यातायात प्रभावित हुआ है। रसुवा जिले में नदी के कटाव के कारण त्रिशूली–मेलुङ–स्याब्रुबेंसी सड़क पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। पश्चिम रुकुम जिले में भूस्खलन के कारण भेरी कॉरिडोर के जाजरकोट–डोल्पा खंड पर यातायात बाधित है, जबकि लमजुंग में मध्यपहाड़ी राजमार्ग भी अवरुद्ध हो गया है। प्रभावित सड़क खंडों से मलबा हटाने और यातायात सुचारु करने के लिए संबंधित निकाय काम कर रहे हैं। कई क्षेत्रों में बारिश जारी रहने के कारण भूस्खलन और बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री देउवा बैंकॉक पहुंचे, 13 अगस्त को लौटेंगे स्वदेश

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री एवं नेपाली कांग्रेस के पूर्व सभापति शेरबहादुर देउवा हांगकांग से बैंकॉक पहुंच गए हैं। उनके 13 अगस्त को नेपाल लौटने की संभावना है। उपचार के सिलसिले में करीब पांच महीने से विदेश में रह रहे देउवा के 11 अगस्त को स्वदेश लौटने की तैयारी थी। हांगकांग से बैंकॉक जाने के बाद उनके नेपाल लौटने का कार्यक्रम दो दिन आगे बढ़ गया है। देउवा के करीबी नेताओं के अनुसार, वह शुक्रवार को हांगकांग से थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक पहुंचे। अब बैंकॉक से ही उनके नेपाल लौटने का कार्यक्रम तय किया गया है। वह 13 अगस्त को थाई एयरवेज की उड़ान से नेपाल लौटेंगे। नेपाली कांग्रेस के देउवा समूह के तत्वावधान में 14 अगस्त को काठमांडू के राष्ट्रीय सभा हॉल में सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस में भाग लेने के लिए देशभर से नेता और कार्यकर्ता काठमांडू पहुंच रहे हैं। देउवा 13 अगस्त को दोपहर बैंकॉक से त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरेंगे। जेन-जी आंदोलन के दौरान पिछले साल 10 सितंबर को बूढानीलकंठ स्थित देउवा के आवास में आगजनी की गई थी। इस दौरान देउवा दंपति पर भी हमला हुआ था। देउवा दंपति बेहतर इलाज के लिए सिंगापुर गए थे। उपचार के बाद नेपाल लौटे देउवा फॉलो-अप उपचार के लिए इस साल 25 फरवरी को फिर सिंगापुर गए थे। सिंगापुर से वह उपचार के लिए अपनी पत्नी आरजू राणा देउवा के साथ हांगकांग पहुंचे थे। लंबे समय तक हांगकांग में रहने के बाद वह शुक्रवार को बैंकॉक पहुंचे ।

दिल्ली के जहांगीरपुरी हत्याकांड मामले में आरोपित गैंगस्टर नंदीग्राम से गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस को सौंपा

मेदिनीपुर। दिल्ली के जहांगीरपुरी में गत 19 जुलाई को हुई हत्या के मामले में वांछित गैंगस्टर को नंदीग्राम से गिरफ्तार किया गया है। आरोपित की पहचान बिहार निवासी वसीम अकरम उर्फ लंबू के रूप में हुई है। नंदीग्राम पुलिस के अनुसार, हत्या की घटना के बाद वसीम अकरम नंदीग्राम के चौरंगी स्थित अपने एक रिश्तेदार के घर में छिपकर रह रहा था। दिल्ली पुलिस को उसके नंदीग्राम में छिपे होने की जानकारी

मिलने के बाद नंदीग्राम थाना पुलिस के सहयोग से उसकी तलाश शुरू की गई। दिल्ली पुलिस और नंदीग्राम थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। नंदीग्राम थाना प्रभारी अजय मिश्रा ने बताया कि वसीम अकरम दिल्ली के जहांगीरपुरी में हुई हत्या के मामले में प्रमुख आरोपितों में शामिल है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपित को नियमानुसार आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस अब उसे अपने साथ ले जाकर मामले में आगे की कार्रवाई करेगी।र

भारत की सनातन सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है भगवा : तरुण विजय

कोलकाता। लेखक एवं पूर्व भाजपा सांसद तरुण विजय ने भगवा रंग को "भारत की आत्मा का रंग" बताते हुए कहा कि यह भारत की सनातन सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सदियों से भारत की विभिन्न परंपराओं में भगवा रंग को श्रद्धा और सम्मान की दृष्टि से देखा जाता रहा है। अपनी पुस्तक 'सैफ्रॉन सर्ज' के कोलकाता विमोचन से पहले तरुण विजय ने भारतीय हॉकी टीम की नई भगवा जर्सी को लेकर हो रही आलोचनाओं पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भगवा भारत के सभ्यतागत मूल्यों में गहराई से रचा-बसा है। उन्होंने कहा कि "भगवा भारत का सभ्यतागत रंग है। सनातन परंपरा के साथ-साथ सिख, जैन और बौद्ध परंपराओं में भी इसे अनादिकाल से श्रद्धा के साथ स्वीकार किया गया है।" आलोचकों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "केवल गजनवी की मूर्तिभंजक मानसिकता से प्रभावित लोग ही भगवा रंग को लेकर असहज महसूस करते हैं और यह बात स्पष्ट है।" उल्लेखनीय है कि, 'सैफ्रॉन सर्ज' की प्रस्तावना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने लिखी है, जबकि पुस्तक की भूमिका संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने लिखी है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य एवं इतिहासकार संजय सान्याल के साथ साथ प्रसिद्ध लेखक अमीश त्रिपाठी और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने भी पुस्तक की प्रशंसा की है। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के संयोजक अरुण प्रकाश मल्लावत ने बताया कि पुस्तक का औपचारिक विमोचन 11 अगस्त को कोलकाता स्थित भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) में होगा। इस अवसर पर संघ के वरिष्ठ अधिकारी भैयाजी जोशी, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी तथा वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में मंत्री अग्निमित्रा पाल तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रपौत्री देवदत्ता चक्रवर्ती भी शामिल होंगी।

केरल का नाम 'केरलम' किए जाने वाला विधेयक लोकसभा में पेश

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को केरल राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' किए जाने से जुड़ा विधेयक पेश किया गया। केरल विधानसभा की सर्वसम्मत मंजूरी मिलने के बाद अब इसे संसद में लाया गया है। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने आज सदन में शोर-शराबे के बीच केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 पेश किया। मलयालम भाषा में राज्य को पारंपरिक रूप से 'केरलम' ही कहा जाता है। इसी सांस्कृतिक पहचान को आधिकारिक दर्जा देने के लिए यह पहल की गई है। इसके तहत भारतीय संविधान की पहली अनुसूची में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। नाम परिवर्तन के साथ-साथ राज्य से संबंधित अन्य संवैधानिक तथा प्रशासनिक दस्तावेजों में आवश्यक परिणामी संशोधन भी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि केरल विधानसभा ने 24 जून, 2024 को सर्वसम्मति से एक संकल्प पारित किया था, जिसमें केंद्र सरकार से राज्य का नाम बदलने का अनुरोध किया गया था। इस संकल्प में कहा गया था कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत आवश्यक कदम उठाते हुए पहली अनुसूची में संशोधन किया जाए और राज्य का नाम 'केरल' से बदलकर 'केरलम' किया जाए। संविधान के अनुच्छेद 3 के प्रावधानों के तहत राष्ट्रपति ने इस विधेयक को अपनी राय व्यक्त करने के लिए केरल राज्य विधानमंडल को भेजा था। केरल विधानसभा ने 'केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026' पर गहन विचार-विमर्श किया और सर्वसम्मति से विधेयक को पारित किया गया।

बिहार में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्यवाही को लेकर कांग्रेस ने सरकार से मांगा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने बिहार में छात्र और युवाओं के आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि सीवान में प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर एके-47 से गोली चलाई गई, जबकि कई छात्रों और युवाओं को हिरासत में लेकर उनके साथ बर्बरता की गई। कांग्रेस ने पूरे मामले की जांच, दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई और छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग की है। कांग्रेस ने कहा कि इस पूरे प्रकरण पर सरकार को जवाब देना चाहिए। पार्टी की ओर से बिहार के छह शहरों में भेजी गई फैक्ट फाइंडिंग टीमों के सदस्यों ने सोमवार को यहां पत्रकार वार्ता की। इस सदस्यों ने बिहार में छात्रों के आंदोलन पर अपने तथ्य प्रस्तुत किए। वार्ता में कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि युवाओं पर एके-47 चलाई गई। कई युवा गोलियों से घायल हुए। बिहार पुलिस ने पूरे प्रदेश में छात्रों और युवाओं को हिरासत में लिया। जब देश में छात्र अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे हैं तो उन पर बर्बरता करने का आदेश किसके इशारे पर दिया जा रहा है। बिहार में छात्रों के साथ हुई कार्रवाई से सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं।

उन्होंने दावा किया कि सरकार ने बिहार में उद्योगपति गौतम अदाणी को एक रुपये प्रति एकड़ की दर से जमीन दी है। उन्होंने कहा कि बिहार के छात्र और युवा प्रधानमंत्री से पूछ रहे हैं कि अगर सरकार ने गौतम अदाणी को एक रुपये में हजारों एकड़ जमीन दे सकती है तो भर्ती परीक्षाओं की फीस भी एक रुपये क्यों नहीं कर सकती। एआईसीसी ने बिहार के छह शहरों में छह फैक्ट फाइंडिंग टीमें भेजी थीं। इन टीमों को छात्रों, युवाओं, मीडिया और प्रशासन से बातचीत कर यह पता लगाने की जिम्मेदारी दी गई थी कि छात्रों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई क्यों हुई और इसके लिए आदेश किस स्तर से दिए गए।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने आरोप लगाया कि बिहार

में छात्रों और युवाओं के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया गया। कई युवाओं को रात में हिरासत में लिया गया और उनकी आंखों पर पट्टी बांधी गई। उन्होंने दावा किया कि कुछ युवाओं के माता-पिता की कनपटी पर बंदूक रखकर उन्हें धमकाया गया कि अगर उनके बच्चे सरकार के खिलाफ आवाज उठाएंगे तो उनका एनकाउंटर कर दिया जाएगा। फैक्ट फाइंडिंग टीम ने कई छात्रों से बातचीत की और छात्रों ने फर्जी मुकदमों में फंसाए जाने की शिकायत की। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) इन छात्रों के साथ खड़ा रहेगा।

एनएसयूआई अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने भी छात्रों के साथ हिरासत और कथित उत्पीड़न के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कई छात्रों को रात में उठाया गया और उन्हें डराने-धमकाने की शिकायतें सामने आई हैं। छात्रों का आरोप है कि उन्हें फर्जी मामलों में फंसाया जा रहा है और एनएसयूआई उनकी लड़ाई जारी रखेगा। फैक्ट फाइंडिंग टीम के सदस्य और अल्पसंख्यक कांग्रेस के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी ने सीवान की घटना का विवरण देते हुए कहा कि टीम वहां गई थी। शुरुआत में पुलिस ने गोली चलने की बात से इनकार किया, लेकिन बाद में एके-47 चलाने वाले पुलिसकर्मी को निलंबित किया गया।

प्रतापगढ़ी ने कहा कि घायल तीनों युवक बेहद गरीब परिवारों से हैं। अपने अधिकारों की मांग करने पर उन्हें गोली का सामना करना पड़ा। राहुल गांधी द्वारा गृह मंत्री को पत्र लिखे जाने और बिहार कांग्रेस के प्रदर्शन के बाद राज्य सरकार ने छात्रों के खिलाफ मुकदमे वापस लेने का नोटिफिकेशन जारी किया। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा कि सरकार को परीक्षा केंद्र कमिश्नरी या जिला स्तर पर बनाने चाहिए, ताकि छात्रों पर यात्रा और रहने का अतिरिक्त खर्च न पड़े। उन्होंने गरीब छात्रों के लिए बेहतर ऑनलाइन शिक्षा मंच तैयार करने तथा सुव्यवस्थित परीक्षा कैलेंडर जारी करने की मांग की। कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने दिल्ली और बिहार में छात्रों के खिलाफ हुई कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए कहा कि दोनों जगहों की घटनाओं ने सरकार की संवेदनहीनता को सामने ला दिया है। आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने सीवान में प्रदर्शन के दौरान एके-47 के इस्तेमाल को बेहद गंभीर घटना बताया।

मायावती ने भाजपा-आआपा से सतर्क रहने की अपील की

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने संत रविदास के नाम पर कलश यात्रा निकाले जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पंजाब चुनाव नजदीक आते ही भाजपा समाज को भटकाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने अपने समाज से भाजपा के साथ ही आम आदमी पार्टी (आआपा) की वोटबैंक की राजनीति से सतर्क रहने की अपील की है। मायावती ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि जैसाकि विदित है कि 10 अगस्त 2019 को दिल्ली के तुग़लकाबाद में संत रविदास के पवित्र गुरुघर को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर से ढहा दिया गया था। इसके विरोध में देशभर की संगत जब लोकतांत्रिक ढंग से सड़कों पर उतरी तो तब उन्हें लाठीचार्ज, आँसू गैस, गिरफ्तारियां और मुकदमों आदि का सामना करना पड़ा। काफी लोगों को जेल भी जाना पड़ा। इतना ही नहीं गुरुघर की भूमि भी छीन ली गई और आज भी संगत को लोहे के अस्थायी टीन शेड में अपने गुरुजी को माथा टेकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मायावती ने कहा कि अब पंजाब में चुनाव नज़दीक है तो भाजपा संत रविदास के नाम पर कलश यात्रा निकालकर गुरुजी के बेगमपुर शहर के लक्ष्य से समाज को भटाकने का प्रयास कर रही है।

असम में बाढ़ से नुकसान का आकलन शुरू, ऊपरी असम के चार जिलों के लोग बेहाल

एजेंसी, गुवाहाटी

असम सरकार ने राज्य में आई बाढ़ हुए नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। ऊपरी असम के शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट जिलों में लोगों का सामान्य जीवन अभी भी बुरी तरह प्रभावित है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 9 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार धनसिरि नदी (नुमलीगढ़ और गोलाघाट) तथा कुसियारा नदी (श्रीभूमि) खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

रविवार को गोलाघाट जिले में 1 एवं कार्बी आंगलोंग जिले में 1 शव बरामद हुआ है। इस तरह बाढ़ से राज्य में मृतकों की कुल संख्या 101 पहुंच गई है। वर्तमान समय में बाढ़ से 10 जिले गोलाघाट, शिवसागर, होजाई, दरंग, लखीमपुर, जोरहाट, कार्बी आंगलोंग, चराईदेव, नगांव और बिश्वनाथ प्रभावित हैं। इन 10 जिलों के 28 राजस्व मंडलों के कुल 456 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान

समय में राज्य की कुल 137290 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 11933.46 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। राज्य सरकार ने प्रभावित लोगों के लिए अभी भी कुल 52 राहत शिविर एवं 73 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 125 शिविर क्रियान्वित रखे हैं। राहत शिविरों में 8000 लोग आश्रय लिए हुए हैं। वितरण केंद्रों पर 41061 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। राहत एवं बचाव अभियान में एसडीआरएफ, सेना/अर्धसैनिक बल, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, एयर फोर्स, पुलिस, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है।

रेजिडेंट डॉक्टर की आत्महत्या मामले में रैगिंग का खुलासा, 4 सीनियर डॉक्टर छह माह के लिए निलंबित

एजेंसी, सूरत

गुजरात के सूरत की नई सिविल अस्पताल में 29 वर्षीय रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. हर्ष पंड्या की आत्महत्या के मामले में जांच के दौरान रैगिंग का गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में समिति की रिपोर्ट के आधार पर चार सीनियर डाक्टरों को निलंबित कर दिया गया है। इन निलंबित डॉक्टरों को अस्पताल और पीजी हॉस्टल परिसर में प्रवेश के साथ-साथ सभी प्रकार की शिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियों से भी छह माह के लिए दूर रखा गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मूल रूप से अरवल्ली जिले के मोडासा निवासी डॉ. हर्ष सुभाषचंद्र पंड्या सूरत सरकारी मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में प्रथम वर्ष के रेजिडेंट डॉक्टर थे। वह नई सिविल अस्पताल परिसर

स्थित बॉयज पीजी हॉस्टल में रह रहे थे। बीती 9 अगस्त की सुबह डॉ. हर्ष ड्यूटी पर नहीं पहुंचे। एक सीनियर डॉक्टर ने उन्हें फोन किया, लेकिन मोबाइल बंद मिला। इसके बाद साथी रेजिडेंट डॉक्टर को उनके हॉस्टल स्थित कमरे पर भेजा गया। दरवाजा अंदर से बंद था। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुलने पर सुरक्षा कर्मचारियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। अंदर डॉ. हर्ष फंदे से लटके मिले।

घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन और खटोदरा पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानसेरिया ने नई सिविल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक और मेडिकल कॉलेज के डीन की अध्यक्षता में जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए। डॉ. हर्ष के पिता सुभाषचंद्र पंड्या ने बताया कि उनका बेटा सीनियरों से होने वाली परेशानी का कभी-कभी जिक्र करता था, हालांकि वह यह भी कहता था कि कोई बड़ी समस्या नहीं है। बताया गया है कि डॉ. हर्ष ने इसी वर्ष फरवरी में माइक्रोबायोलॉजी विभाग में प्रवेश लिया था। उनकी सगाई हो चुकी थी और दिसंबर में शादी प्रस्तावित थी। घटना से परिवार में शोक का माहौल है।

पुलिस ने डॉ. हर्ष का मोबाइल फोन और लैपटॉप कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। एफएसएल टीम द्वारा हॉस्टल के कमरे से संभावित साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस रैगिंग, मानसिक प्रताड़ना और आत्महत्या के बीच संभावित संबंध समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

इस संबंध में सिविल अस्पताल के डीन डॉ. जयेश ब्रह्मभट्ट ने बताया की मेडिकल सुपरिटेंडेंट की संयुक्त अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति के समक्ष प्रथम वर्ष के 9 रेजिडेंट डॉक्टरों और उनके परिवारजनों के बयान दर्ज किए गए। गत रात 8:30 बजे से सुबह 4:00 बजे तक चली इस मैराथन बैठक में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के सीनियर रेजिडेंट, फैकल्टी, टेक्नीशियन तथा सफाईकर्मियों के बयान दर्ज किए गए। डीन डॉ. ब्रह्मभट्ट ने बताया कि इसके बाद एंटी-रैगिंग स्क्वॉड ने अपनी रिपोर्ट एंटी-रैगिंग कमेटी को सौंप दी।

काशी विश्वनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब, सावन का दूसरा सोमवार, चहुंओर महादेव की जय-जयकार

एजेंसी, वाराणसी

सावन माह के दूसरे सोमवार पर उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी (वाराणसी) में चंहुओर कंकर-कंकर शंकर का भाव दिख रहा है। केशरियामय हुई शिवनगरी में बाबा श्री विशेशर (श्रीकाशी विश्वनाथ) के स्वर्णमंडित दरबार में पूरे श्रद्धाभाव से पावन ज्योतिर्लिंग पर आस्था की अखंड जलधार गिर रही है। सावन के दूसरे सोमवार पर सोम प्रदोष व्रत, बुधादित्य राजयोग, वज्र और सिद्धि योग समेत कुल सात दुर्लभ शुभ संयोग में शिवभक्त बाबा का झांकी दर्शन और जलाभिषेक कर आह्लादित है। पूरा धाम परिसर श्रद्धालुओं के हर-हर महादेव, काशी विश्वनाथ शंभों के गगनभेदी कालजयी उद्घोष से गुंजायमान है।

दूसरे सोमवार पर परम्परानुसार शाम को मंदिर के गर्भगृह में बाबा का गौरी शंकर (शंकर पार्वती) श्रृंगार होगा। इसके पहले दरबार में दर्शन पूजन के लिए लाखों शिवभक्त रविवार शाम से ही बैरिकेडिंग में कतारबद्ध होने लगे। भोर में मंदिर के गर्भगृह में मंगला आरती के बाद मंदिर का पट खुला तो

कतारबद्ध श्रद्धालुओं पर मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ विश्वभूषण मिश्र के नेतृत्व में अफसरों ने गुलाब की पंखुड़िया बरसाई। आदर से आह्लादित शिवभक्त रेड कार्पेट पर चलकर बाबा के पूजन के लिए दरबार में पहुंचते रहे।

पूरे दिन और देर शाम तक यहीं क्रम अनवरत बना रहेगा। मंदिर न्यास के अनुसार,दूसरे सोमवार को दरबार में आस्था,भक्ति और उल्लास का माहौल है। दरबार में ज्योतिर्लिंग पर बाहर बने पात्र से जलाभिषेक कर आह्लादित भाव से श्रद्धालु बाबा के झांकी दर्शन के बाद काशी विश्वनाथ धाम के भव्य और नव्य विस्तारित स्वरूप को देख मुक्त कंठ से इसकी प्रशंसा करते रहे।

मंदिर में जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चिकित्सक, एम्बुलेंस और एनडीआरएफ टीम को भी तैनात किया है। पेयजल से लेकर खोया पाया केंद्र, पब्लिक एड्रेस सिस्टम भी लगाया गया है। मंदिर में गर्भगृह के पहले ही श्री काशी विश्वनाथ का दर्शन एलईडी स्क्रीन पर श्रद्धालु कर रहे हैं। बाबा दरबार में आने वालों की कतार एक ओर गोदौलिया से बाबा दरबार तक है तो दूसरी ओर गंगा से बाबा दरबार तक लगी हुई थी। शिवमय हुई नगरी में गंगाघाट से बाबा दरबार तक आस्था एकाकार नजर आ रहा है। केशरिया वस्त्र धारी बाबा के भक्त कांवड़ियों का उत्साह दखते ही बन रहा है। धाम और मंदिर परिक्षेत्र के बाहर भी पुलिस अफसर सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद बनाने के लिए लगातार चक्रमण कर रहे हैं। दूसरे सोमवार पर मैदागिन से गोदौलिया, सोनारपुरा चौराहे तक, गुरुबाग से रामापुरा, बेनियाबाग तिराहे तक, ब्राडवे तिराहा से सोनारपुरा होकर गोदौलिया तक, भेलूपुर से रामापुरा चौराहे तक पैदल छोड़ सभी वाहनों को प्रतिबंधित किया गया है।

कांग्रेस ने गृहमंत्री के बयान की मांग को लेकर लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस की कथित बर्बरता के मामले में कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से गृहमंत्री अमित शाह को सदन में बुलाकर विस्तृत बयान देने का निर्देश देने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव एवं लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर मामले में तत्काल संसदीय जांच और गृहमंत्री की जवाबदेही सुनिश्चित करने की अपील की।

लोक लेखा समिति के अध्यक्ष के तौर पर लिखे पत्र में वेणुगोपाल ने कहा कि दिल्ली में अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग, जिसमें पैलेट गन चलाए जाने की रिपोर्ट भी शामिल है, गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय है। इस

मामले में तत्काल संसद की निगरानी और जांच की जरूरत है।

वेणुगोपाल ने पत्र में कहा कि दिल्ली पुलिस सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन काम करती है, इसलिए पुलिस की कार्रवाई की अंतिम जिम्मेदारी गृहमंत्री अमित शाह की है। उन्होंने भारत सरकार के कार्य आवंटन नियमों और संविधान के अनुच्छेद 77 का हवाला देते हुए कहा कि गृहमंत्री अपने मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र से जुड़े सभी मामलों के लिए जिम्मेदार हैं।

राज्य गीत 'तमिल थाई वाज्थू' के गायन का प्रस्ताव पारित

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा में आज राज्य के सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत में राज्य गीत 'तमिल थाई वाज्थू' के गायन को अनिवार्य करने संबंधी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हो गया। इसे मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने पेश किया। मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि उनकी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार तमिलनाडु के भाषाई और सांस्कृतिक अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगी। विजय ने अपने संबोधन में कहा, ''तमिल केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि यह हमारा जीवन और हमारी भावनाएं हैं। मातृभाषा उतनी ही पवित्र है, जितनी अपनी मां।''

प्रस्ताव के अनुसार, तमिलनाडु में शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की शुरुआत अब राज्य गीत से की जाएगी।

मुख्यमंत्री विजय ने तमिल भाषा की महानता और भारतीय संघीय व्यवस्था में 'तमिल थाई वाज्थू' के महत्व को रेखांकित करते हुए बेहद भावुक भाषण दिया। उन्होंने सदन में मौजूद सभी सदस्यों से पार्टी मतभेदों से ऊपर उठकर इस प्रस्ताव का समर्थन करने की अपील की। विजय ने कहा, ''दुनिया की सभी भाषाएं संचार का माध्यम हैं। हमारे लिए तमिल केवल बोलने की भाषा या ध्वनि नहीं है। यह हमारी जान, भावना और पहचान है। उन्होंने कहा कि 1891 में लेखक मनोन्मणियम सुंदरनार के नाटक के पायिरम (प्रस्तावना) में शामिल तमिल थाई वाज्थू भारत के माथे पर तिलक की तरह तमिलनाडु को गौरव प्रदान करता है।

हिन्दी वेबसाइट पर 'जिम्मेदारी नहीं' लिखकर घिरा एसबीआई, राजभाषा सम्मान और ग्राहक अधिकार का मुद्दा गरमाया

एजेंसी, दिल्ली/लखनऊ

देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की आधिकारिक वेबसाइट पर एआई आधारित हिंदी अनुवाद और उससे जुड़े अस्वीकरण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शिकायतकर्ता प्रवीण कुमार जैन ने एसबीआई के कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई के अध्यक्ष, मुख्य प्रबंध निदेशक और प्रबंध निदेशक (मानव संसाधन) के अलावा भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग, संसदीय राजभाषा समिति और वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग को पत्र भेजकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। शिकायतकर्ता ने इसे केवल तकनीकी अनुवाद का विषय न बताते हुए राजभाषा नीति, ग्राहकों के अधिकार और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा गंभीर मामला बताया है। शिकायत में कहा गया है कि एसबीआई की हिंदी वेबसाइट पर स्पष्ट रूप से बताया गया है कि वेबसाइट की सामग्री का अनुवाद 'भाषिणी' नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली के माध्यम से किया गया है। साथ ही, वेबसाइट पर यह भी उल्लेख होने का दावा

किया गया है कि किसी अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी सामग्री को मान्य माना जाएगा।

शिकायतकर्ता ने इस व्यवस्था पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि अधिकारिक बैंकिंग वेबसाइट पर प्रकाशित हिंदी सामग्री को स्वयं बैंक द्वारा ही संदिग्ध या गैर-प्रामाणिक मानने की स्थिति नहीं होनी चाहिए। उनका आरोप है कि अनुवाद में संभावित त्रुटियों की जिम्मेदारी से बैंक का अलग हो जाना ग्राहकों के हित में नहीं है।

प्रवीण कुमार जैन का कहना है कि एआई आधारित अनुवाद तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन आधिकारिक और महत्वपूर्ण बैंकिंग सूचनाओं को सार्वजनिक करने

♦ एसबीआई की हिन्दी वेबसाइट पर एआई अनुवाद को लेकर घमासान, राजभाषा नियमों पर बहस

से पहले उनका मानवीय सत्यापन और प्रूफरीडिंग जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजभाषा अधिकारियों द्वारा पर्याप्त मानवीय सत्यापन के बिना हिंदी सामग्री प्रकाशित करना उचित नहीं है। शिकायतकर्ता के अनुसार, इससे हिंदी में जानकारी प्राप्त करने वाले करोड़ों ग्राहकों के सामने भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उनका कहना है कि यदि बैंक अपनी हिंदी सामग्री को ही अंतिम और प्रामाणिक नहीं मानता तथा अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण को प्राथमिकता देता है, तो ऐसे ग्राहक प्रभावित हो सकते हैं जिन्हें अंग्रेजी का पर्याप्त ज्ञान नहीं है। शिकायतकर्ता ने इस व्यवस्था को राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 की भावना के विपरीत बताया है। उनका तर्क है कि सरकारी क्षेत्र के एक प्रमुख बैंक की आधिकारिक हिंदी सामग्री विश्वसनीय, स्पष्ट और ग्राहकों के लिए सहज रूप से समझने योग्य होनी चाहिए।

हिंदी दैनिक समाचार
ट्रुथ पथ

बतौर लीड एक्टर दमदार वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं इमरान

अभिनेता इमरान खान ने काफी वक्त से स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। मगर अब वह बतौर लीड एक्टर दमदार वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक बातचीत के दैरान उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' से जुड़ी जानकारी साझा की।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में इमरान खान ने अपनी अगली फिल्म के बारे में काफी कुछ बताया। हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत में इमरान ने कहा, 'मेरी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। यह फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन में है और इस साल के अंत तक इसके रिलीज होने की उम्मीद है। यह एक एडल्ट रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जो मेरे जीवन के मौजूदा हालात दर्शाती है।' इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'कट्टी बट्टी' में बतौर लीड हीरो नजर आए थे। अब वे सीधे फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' में लीड रोल प्ले करेंगे। फिल्म के बारे में आगे एक्टर ने कहा, 'मैंने अभी-अभी एक बेहद प्रतिभाशाली युवा अभिनेत्री, गुरफतेह पीरजादा के साथ काम किया है। दरअसल, यह वो फिल्म है जिसे मुझे 10 साल बाद बनाना ही था।' बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है।

इमरान खान का वर्कफ्रंट

इमरान खान ने 2008 में रिलीज हुई 'जाने तू या जानें ना' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसमें उनके साथ जेनेलिया डिसूजा भी नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स आफिस पर एक बड़ी हिट साबित हुई थी। इसके बाद इमरान ने 'लक', 'आई हेट लव स्टोरीज', 'देल्ही बेली' और 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' जैसी कई हिट फिल्में दी थीं। इस साल जनवरी में इमरान ने अपने मामा आमिर खान के बैनर तले बनी फिल्म 'हैप्पी पटेल खतरनाक जासूस' में कैमियो किया था।

खतरनाक स्टंट करने की हिम्मत देते हैं रोहित शेट्टी

स्टंट आधारित शो 'खतरों के खिलाड़ी' में कंटेस्टेंट्स को शारीरिक ताकत के साथ-साथ मानसिक मजबूती भी दिखानी पड़ती है। ऐसे में होस्ट की भूमिका काफी अहम हो जाती है, क्योंकि उनका हौसला बढ़ाना कई बार कंटेस्टेंट्स को अपने डर पर जीत हासिल करने में मदद करता है। इस कड़ी में अभिनेत्री फरहाना भट्ट ने शो के होस्ट और फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रोहित खिलाड़ियों में ऐसा आत्मविश्वास भर देते हैं कि वे उन स्टंट को भी करने के लिए तैयार हो जाते हैं, जिनसे वे शुरुआत में डर रहे होते हैं। 'बिग बॉस 19' में नजर आ चुकीं फरहाना भट्ट ने खास बातचीत में रोहित शेट्टी के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, ''रोहित एक शानदार होस्ट हैं और उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह कंटेस्टेंट्स को लगातार प्रेरित करते रहते हैं। कई बार ऐसा होता है कि कोई स्टंट देखकर आपको डर लगने लगता है और आपको लगता है कि शायद आप उसे नहीं कर पाएंगे। लेकिन अगर उसी समय रोहित शेट्टी आपके पास खड़े हों और आपका साथ दे रहे हों, तो आपको अलग ही हिम्मत मिलती है।''

उन्होंने आगे कहा, ''रोहित के सपोर्ट के साथ कोई भी कंटेस्टेंट मौत के कुएं जैसे डरावने स्टंट में भी उतरने का साहस जुटा सकता है।'' शो को लेकर फरहाना ने कहा, ''इस शो में जीतने के लिए सिर्फ ताकत नहीं, बल्कि पूरी ईमानदारी और सौ फीसदी समर्पण की जरूरत होती है।'' फरहाना ने कहा, ''मेरा मानना है कि इस शो में वही आगे बढ़ सकता है, जो हर स्टंट में अपना सौ फीसदी देता है। जब आप बिना डरे पूरी मेहनत के साथ चुनौती का सामना करते हैं, तभी आपका असली प्रदर्शन सामने आता है। दर्शक भी उसी कंटेस्टेंट को पसंद करते हैं, जो हर टास्क में पूरी लगन और हिम्मत दिखाता है। आखिर में दर्शक ही तय करते हैं कि कौन इस शो का असली विजेता बनने के योग्य है।''

हाल ही में अभिनेता गौरव खन्ना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें स्टंट के दौरान लगी चोटों के निशान दिखाई दे रहे थे। उन्होंने बताया था कि एक टास्क को पूरा करने के दौरान उनकी पीठ पर लेजर से जलने के निशान आ गए थे। 'खतरों के खिलाड़ी 15' का टेलीकास्ट कलर्स टीवी पर होता है।

शुरू हुई टाइगर श्रॉफ की नई फिल्म की शूटिंग, डेब्यू को तैयार एल्विश यादव; अहम किरदार में होंगी नुसरत और पश्मीना

निर्देशक रेमो डिसूजा एक नई फिल्म का निर्देशन करने वाले हैं। इसमें लीड एक्टर के तौर पर टाइगर श्रॉफ होंगे। उनके साथ इस फिल्म में नुसरत भरूचा फीमेल लीड रोल में होंगी। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। यह फिल्म टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरूचा के बीच पहला ऑन-स्क्रीन कोलैबोरेशन है। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

अहम रोल में होंगे पश्मीना और एल्विश

इस फिल्म से एल्विश यादव बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। खबर यह भी है कि ऋतिक रोशन की बहन पश्मीना रोशन भी इस फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म में पश्मीना रोशन, अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव भी अहम भूमिकाओं में होंगे। यह फिल्म आगाज एंटरटेनमेंट, वीजे फ्रेम फिल्म्स और इंसोम्निया फिल्म्स के बैनर तले बनाई जा रही है। यह प्रोजेक्ट प्रोड्यूसर विक्की जैन के लिए भी एक बड़ा माइलस्टोन है, जो अपने नए लॉन्च किए गए बैनर, वीजे फ्रेम्स के तहत प्रोड्यूसर के तौर पर डेब्यू कर रहे हैं।

प्रोडक्शन में डेब्यू करेंगे विक्की

बिग बॉस में अपने काम और एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति के तौर पर टीवी दर्शकों के बीच पहचाने जाने वाले विक्की ने हाल ही में फिल्म प्रोडक्शन में कदम रखने की घोषणा की। यह फिल्म वीजे फ्रेम्स का पहला प्रोजेक्ट होगी।

टाइगर श्रॉफ का वर्कफ्रंट

काम की बात करें तो, टाइगर श्रॉफ को आखिरी बार 'बागी 4' में देखा गया था, जो उनकी हिट एक्शन फ्रेंचाईजी का लेटेस्ट चैप्टर है। ए. हर्षा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त, हरनाज संधू और सोनम बाजवा भी अहम भूमिकाओं में थे।

नुसरत भरूचा का वर्कफ्रंट

वहीं, नुसरत भरूचा को आखिरी बार कॉमेडी थ्रिलर 'उफ ये सियापा' में सोहम शाह के साथ देखा गया था।

ललकारा से हटे फरहान अख्तर? अब सिद्धांत गुप्ता निभाएंगे अहम रोल

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर ने अपनी अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'ललकारा' की कास्टिंग में बड़ा बदलाव किया है। फरहान अख्तर के इस प्रोजेक्ट से हटने के बाद अब एक्टर सिद्धांत गुप्ता इसमें शामिल हो गए हैं।

प्रोजेक्ट से क्यों हटे फरहान?

बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फरहान अख्तर ने फिल्म से इसलिए किनारा कर लिया क्योंकि इसकी शूटिंग का शेड्यूल संगीतकार आर.डी. बर्मन पर बन रही बायोपिक की शूटिंग से टकरा रहा था।

फरहान की जगह लेंगे सिद्धांत

अब 'ललकारा' में फरहान अख्तर की जगह सिद्धांत गुप्ता अदाकारी करेंगे। सिद्धांत को सीरीज 'जुबली' और 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में एक्टिंग के लिए काफी तारीफ मिली है। उम्मीद है कि हाल के वर्षों की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्मों में से एक मानी जा रही इस फिल्म में एक्टर, आमिर खान के साथ एक अहम किरदार निभाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिद्धांत फिल्म में मुख्य किरदारों में से एक (पैरेलल लीड) निभाएंगे। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर हालिया सफलता के बाद उनके करियर में यह एक और बड़ा पड़ाव होगा। खबर है कि एक्टर ने रोल के लिए तैयारी शुरू कर दी है, हालांकि मेकर्स ने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

किस पर आधारित है फिल्म

'ललकारा' क्रिकेटर लाला अमरनाथ की जिंदगी पर आधारित है, जो देश के लिए टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर थे। आमिर खान फिल्म में इस मशहूर खिलाड़ी का रोल निभाएंगे। फिल्म में आजादी से पहले और बाद के भारत की पृष्ठभूमि में मैदान के अंदर और बाहर उनके सफर को दिखाया जाएगा।

ऑपरेशन सफेद सागर देश के जवानों की बहादुरी की सच्ची कहानी है, ये युवा पीढ़ी तक पहुंचना बहुत जरूरी

कभी असल जिंदगी में सेना में जाने का ख्वाब देखने वाले ऐक्टर जिमी शेरगिल अपनी नई सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर में कारगिल युद्ध के हीरो विंग कमांडर बीएस धनोवा की भूमिका निभा रहे हैं। जिमी का मानना है कि देश के जवानों की बहादुरी की ये कहानियां युवा पीढ़ी तक पहुंचना बहुत जरूरी है, ताकि उन्हें अपने देश और जवानों पर गर्व हो और वो सैन्य सेवाओं को अपने करियर के तौर पर चुनें। यहां तक कि अगर उनका खुद का बेटा वीर भी अगर सेना में जाना चाहे तो उन्हें खुशी ही होगी।

बकौल जिमी शेरगिल, 'ऑपरेशन सफेद सागर देश के जवानों की बहादुरी की सच्ची कहानी है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़नी बहुत जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो एक वक्त पर जाकर ये बहादुरी खत्म हो जाएगी। जिस तरह की बहादुरी हमारे जवान, वो चाहे एयरफोर्स हो, मिलिट्री हो, नेवी हो, दिखाते हैं, उनके किस्से युवा पीढ़ी तक पहुंचना बहुत जरूरी है।' ऑपरेशन सफेद सागर देश के जवानों की बहादुरी की सच्ची कहानी है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़नी बहुत जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो एक वक्त पर जाकर ये बहादुरी खत्म हो जाएगी। जिस तरह की बहादुरी हमारे जवान, वो चाहे एयरफोर्स हो, मिलिट्री हो, नेवी हो, दिखाते हैं, उनके किस्से युवा पीढ़ी तक पहुंचना बहुत जरूरी है।

90 पर्सेंट मार्क्स लाकर भी उस कट ऑफ के पार नहीं

जिमी आगे बताते हैं, 'जब हम स्कूल में थे, तब 99.9 पर्सेंट स्टूडेंट सेना में जाने की कोशिश करते थे। चूंकि उसमें कट ऑफ बहुत ज्यादा होता था तो मेरे जैसे लोग 90 पर्सेंट मार्क्स लाकर भी उस कट ऑफ को पार नहीं कर पाते थे। इसलिए, मेरा तो सपना ही रह गया लेकिन अगर किसी में वो जुनून, वो जज्बा है, वो क्षमता है, आप हर तरीके से फिट हैं तो आपको पहली चॉइस निश्चित तौर पर आर्म्ड फोर्सेस रखनी चाहिए क्योंकि जो जिंदगी वहां पर है, वो और कहीं नहीं है। मैं 2001 से एयर बेस पर जाकर शूट कर रहा हूं, आर्मी एरिया में जा रहा हूं। वो इतनी कमाल की जगह है। जो सुकून, अनुशासन वहां देखने को मिलता है, वो कहीं नहीं है। वो एक अलग ही दुनिया है।'

हमें आपस में लड़ना बंद करना चाहिए

वहीं, विंग कमांडर बीएस धनोवा की भूमिका निभाने को लेकर जिमी ने कहा, 'रियल लाइफ हीरो असल में बड़े आम और सिंपल लोग होते हैं। वे जमीन से जुड़े हुए बेहद विनम्र लोग होते हैं, मगर वो जो काम करते हैं वो हीरोइक होता है। इसलिए, हमने भी शो में सिंपलिसिटी, विनम्रता आदि तो मेंटेन करने की पूरी कोशिश की है। हमारी कोशिश रही है कि हम कहीं भी फैले हुए न लगे।' वहीं, क्या जिमी देश के लिए खुद कुछ करने की चाह रखते हैं? इस सवाल पर उनका कहना था, 'मैं तो सिर्फ इतना कहूंगा कि हमें आपस में लड़ना बंद करना चाहिए। हम लोग आपस में टूटते जा रहे हैं। हमें टूटना नहीं चाहिए, क्योंकि तब बाहर की ताकतें आकर ऐसी चीजों का फायदा उठाती हैं। इसलिए, हम आपस में एकजुट होकर रहें, वही हमारी सबसे बड़ी जीत होगी।'

बेटा जो करना चाहे, मैं साथ दूंगा

जिमी ने कहा कि युवा पीढ़ी को सैन्य सेवाओं को करियर चॉइस में सबसे ऊपर रखना चाहिए, तो क्या वे अपने बेटे वीर को भी यही सलाह देंगे? इस पर उन्होंने कहा, 'वीर अगर क्वॉलिफाई कर सकता है तो बिल्कुल। मैं उसे कभी नहीं रोकूंगा। मैंने हमेशा कहा है कि मेरे बच्चे को जो भी करना है, मैं उसे कभी नहीं रोकूंगा। उनको अगर स्पोर्ट्स में जाना है तो उसमें जाए। ऐसे ही, अगर वो आर्म्ड फोर्सेस में पहुंच सकते हैं, उनमें वो क्षमता है, बुद्धिमत्ता है तो जरूर जाए।'